मेरा धर्म, सत्य और अहिंसा पर आधारित है।
सत्य मेरा भगवान है,
अहिंसा उसे पाने का साधन
- महात्मा गाँधी

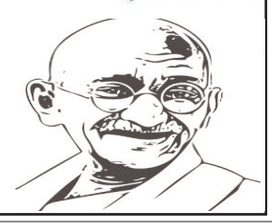

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-196 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 13 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

ब्रिक्स शिखर सम्मेलनः नई दिल्ली घोषणा पत्र पर सहमति, टैरिफ और युद्ध की निंदा की गई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत की अध्यक्षता में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल हुई है। सम्मेलन में ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों ने संयुक्त घोषणा पत्र यानी नई दिल्ली घोषणा पर सर्वसम्मति से सहमति जताई। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और सदस्य देशों के बीच मतभेदों के बीच इस सहमति को भारत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। नई दिल्ली घोषणा में किसी देश का नाम लिए बिना सभी प्रकार की आक्रामकता की निंदा की गई है। घोषणा पत्र में स्पष्ट किया गया है कि संघर्षों को समाप्त करने और अंतरराष्ट्रीय विवादों का समाधान निकालने के लिए बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है। समूह ने बातचीत और कूटनीति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के अपने संकल्प को दोहराया। संयुक्त घोषणा पत्र में एकतरफा शुल्क और गैर-शुल्क उपायों के बढ़ते इस्तेमाल पर गंभीर चिंता जताई गई है। ब्रिक्स देशों ने कहा कि ऐसे उपाय वैश्विक व्यापार को प्रभावित करते हैं और विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप नहीं हैं। समूह ने एकतरफा दबाव डालने वाले उपायों की भी निंदा की और कहा कि इस तरह के कदम अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं। घोषणा में परमाणु खतरों और विभिन्न क्षेत्रों में संघर्ष बढ़ने के जोखिम को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई है। शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ब्रिक्स किसी के खिलाफ नहीं है, बल्कि सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता लोगों पर केंद्रित और मानवता को प्राथमिकता देने वाले दृष्टिकोण से प्रेरित है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले 20 वर्षों के लिए ब्रिक्स को एक नया और महत्वाकांक्षी एजेंडा तैयार करना होगा। उन्होंने ब्रिक्स समुदाय निरंतरता एवं क्रियान्वयन तंत्र तथा नाविकों की सुरक्षा सहित कई प्रस्ताव भी सम्मेलन के समक्ष रखे।

प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक, दोनों देशों ने मिलकर विकास और सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। भारत की अध्यक्षता में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जिनपिंग सात साल बाद भारत पहुंचे हैं। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उनका भारत में स्वागत किया और ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान चीन की ओर से मिले सहयोग के लिए आभार जताया। वहीं, जिनपिंग ने भारत और चीन के बीच बेहतर ब्रिक्स सहयोग तथा उच्च गुणवत्ता वाले विकास के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया से सौजन्य भेंट की।

डोडा में पाकिस्तानी आतंकवादी का सड़ा-गला शव बरामद, अमेरिका में बनी एम4 राइफल भी मिली

-पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में मिली सफलता

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक आतंकवादी का सड़ा-गला शव बरामद किया है। शव के पास से अमेरिका में निर्मित एम-4 राइफल भी बरामद हुई है।

अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, बरामद आतंकवादी हाल में डोडा जिले में चलाए गए एक संयुक्त अभियान के दौरान मारा गया था। अभियान के बाद उसका शव दुर्गम इलाके में पड़ा रह गया था, जिसे अब सुरक्षा बलों ने बरामद कर लिया।एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान दल (एसओजी), सेना की राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया।

असम में दर्दनाक हादसाः ट्रक की टक्कर में कार सवार 5 युवकों की मौके पर ही मौत, ड्राइवर फरार

तेजपुर (असम), (आरएनएस)। सोनितपुर जिले के बालीपारा में शुक्रवार देर रात को एक सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई। यह दुर्घटना रंगापारा पुलिस स्टेशन के बालीपारा के पास मीट चापली में एक पेट्रोल पंप के पास हुई. यहां एक कार और ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई.शुरुआती जानकारी के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश के नंबर वाले ट्रक ने असम के नंबर वाली गाड़ी को टक्कर मारी. टक्कर इतनी भयानक थी कि कार में सवार पांचों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई.हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

एलओसी पर आतंकी हलचल और घर खाली कराने की बात झूठी, सेना ने पाकिस्तानी प्रोपेगैंडा का किया पर्दाफाश

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पर फैलाई जा रहीं जम्मू-कश्मीर में 'लाइन ऑफ कंट्रोल' (एलओसी) के पास आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी खबरों का खंडन किया है। सेना ने स्पष्ट किया कि यह जानकारी फैलाने वाला अकाउंट पाकिस्तान से चलाया जा रहा प्रोपेगैंडा अकाउंट है। साथ ही, सेना ने लोगों को आगाह किया कि वे बिना पुष्टि किए दावों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें आगे बढ़ाएं। दरअसल, सोशल मीडिया पर यह खबर फैलाई गई कि लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास आतंकवादी गतिविधियां बढ़ गई हैं। इनमें यह भी दावा किया गया कि भारतीय सेना ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा और बारामूला जिलों में बड़े सैन्य ठिकानों के पास रहने वाले लोगों से अपने घर खाली करने को कहा है।

पूर्व सीएम हरीश रावत ने अचानक कांग्रेस के सभी पदों से दिया इस्तीफा, जानें क्यों उठाया ये कदम

देहरादून,(आरएनएस)। उत्तराखंड की सियासत में शनिवार को उस वक्त बड़ा भूचाल आ गया जब कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने पार्टी के सभी पदों से अचानक इस्तीफा दे दिया। राज्य कांग्रेस में पहले से जारी अंदरूनी खींचतान के बीच रावत के इस चौंकाने वाले कदम ने पार्टी आलाकमान से लेकर सियासी गलियारों तक खलबली मचा दी है। यह पूरा घटनाक्रम उनके करीबी सहयोगी और पूर्व ओएसडी चंदन सिंह जीना के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गई छापेमारी के ठीक बाद सामने आया है, जहां से भारी मात्रा में कैश और सोना बरामद होने का दावा किया जा रहा है। हरीश रावत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक लंबा और भावुक बयान जारी करते हुए अपने इस अप्रत्याशित कदम की वजह साफ की।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव आज आगर मालवा से अंतरित करेंगे लाड़ली बहना योजना की 40वीं किस्त

प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में पहुंचेंगे 1,835 करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री 225.95 करोड़ के 33 कार्यों का भूमि-पूजन, 28.14 करोड़ के 17 कार्यों का लोकार्पण भी करेंगे

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 13 सितंबर को आगर मालवा से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की सितंबर माह की 40वीं किस्त का अंतरण करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 10 हजार 150 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 09 लाख 22 हजार 450 रुपये की मासिक आर्थिक सहायता सीधे अंतरित की जाएगी। सितंबर की किस्त के साथ ही योजना के प्रारंभ से अब तक महिलाओं को नियमित मासिक सहायता के रूप में अंतरित राशि 65,395.99 करोड़ रुपये हो जाएगी। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरुआत जून 2023 में हुई थी। उस समय पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती थी। अक्टूबर 2023 से इसमें 250 रुपये की वृद्धि कर सहायता राशि 1,250 रुपये प्रतिमाह की गई। नवंबर 2025 से एक बार फिर 250 रुपये की वृद्धि के बाद पात्र महिला हितग्राहियों को वर्तमान में 1,500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जा रही है। योजना में ऐसी पात्र लाभार्थी महिलाओं को भी प्रावधान के अनुसार लाभ दिया जा रहा है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से प्रतिमाह 900 रुपये प्राप्त हो रहे हैं। इस व्यवस्था के तहत उन्हें अंतर की राशि उपलब्ध कराई जा रही है ।जून 2023 से अगस्त 2026 तक लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत 39 नियमित मासिक किस्तों का भुगतान किया जा चुका है। अब सितंबर में 40वीं किस्त अंतरित की जाएगी। इसके अतिरिक्त रक्षाबंधन के अवसर पर अगस्त 2023, अगस्त 2024, अगस्त 2025 और अगस्त 2026 में लाभार्थी महिलाओं को 250 रुपये की विशेष आर्थिक सहायता भी दी गई है।लाड़ली बहना योजना के माध्यम से जून 2023 से अगस्त 2026 तक 63,560.90 करोड़ रुपये की राशि महिलाओं के खातों में अंतरित की जा चुकी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सितंबर 2026 तक योजना के अंतर्गत 11,300 करोड़ रुपये व्यय होने का अनुमान है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत 23,882.81 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है।

छात्राओं को डांटना या शारीरिक दंड देना पॉक्सो का मामला नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक पर दर्ज केस किया रद्द

नई दिल्ली(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कक्षा में अनुशासन बनाए रखने और यौन दुर्व्यवहार के बीच स्पष्ट अंतर करते हुए कहा है कि शिक्षक का गलत निर्णय या अनुचित शारीरिक दंड अपने आप में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत अपराध नहीं माना जा सकता। अदालत ने पश्चिम बंगाल के एक स्कूल शिक्षक के खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले और विशेष पॉक्सो अदालत में लंबित पूरी आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया।न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति अतुल एस. चांदुरकर की पीठ ने 8 सितंबर को दिए अपने आदेश में कहा कि शिक्षक का व्यवहार, विशेष रूप से छात्राओं को शारीरिक दंड देना और उनके साथ संवेदनशीलता नहीं बरतना, उचित नहीं था। हालांकि, दोनों छात्राओं के बयानों को ध्यान से पढ़ने के बाद यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि शिक्षक ने पॉक्सो अधिनियम की धारा 10 के तहत गंभीर यौन अपराध किया था।

मामला पश्चिम बंगाल के एक स्कूल का है। आरोप था कि भूगोल की कक्षा में दो नाबालिग छात्राएं सवालों का जवाब नहीं दे पाईं और अपनी भूगोल की मानचित्र पुस्तक भी लेकर नहीं आई थीं। इस पर शिक्षक ने दोनों छात्राओं की पीठ और कमर पर डंडे से पिटाई की थीसुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शिक्षक को अधिक संवेदनशीलता के साथ संभाल सकता था। बच्चों, विशेषकर छात्राओं के साथ व्यवहार करते समय शिक्षक को अधिक सावधानी और संवेदनशीलता बरतनी चाहिए।

उल्लासमय माहौल में कल विराजेंगे भगवान विघ्न विनाशक लंबोदर

10 दिनी महोत्सव को लेकर बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह

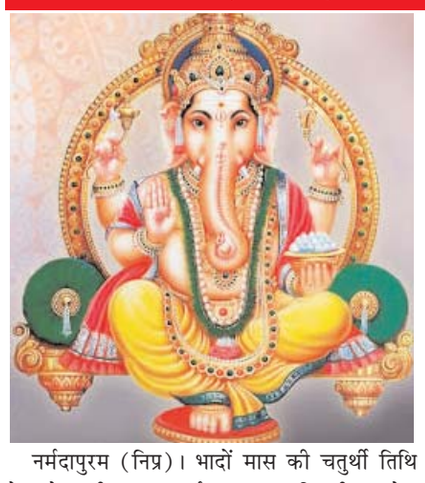

नर्मदापुरम (निप्र)। भादों मास की चतुर्थी तिथि को गणेश जी पूजन अर्चन कर 10 दिवसीय गणेश महोत्सव मनाया जाएगा। गणेश जी की प्रतिमा के लिए बाजार सज गए हैं। चतुर्थी श्रद्धालु गणेश जी की स्थापना करेंगे। करीब 200 स्थानों पर गणपति बप्पा की बड़ी मूर्ति की स्थापना की जाती है। पूजन पाठ व स्थापना के साथ दस दिवसीय गणेश उत्सव उल्लास के माहौल में भक्ति भाव के साथ शुरू होगा। शुभ मुहुर्त में गणेश उत्सव समितियों के द्वारा पंडालों और कई घरों में श्रद्धालू प्रथम पूज्य भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजन पाठ शुरू करेंगे। भादों मास की चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणेश की मूर्तियों की स्थापना का क्रम सुबह से ही शुरू होकर दोपहर तक जारी रहेगा। एक दिन पूर्व से ही गाजे बाजे के साथ लोग मूर्तियों की स्थापना स्थल पर प्रतिमा ले जाएंगे। शाम तक स्थापना का क्रम जारी रहेगा रात में समिति सदस्य ने पूजन अर्चन के साथ सामूहिक आरती करेंगे। युवाओं व बच्चों में गणेश उत्सव को लेकर विशेष उत्साह बना हुआ है।

200 स्थानों पर होती है स्थापना

शहर में 200 से अधिक बड़े पंडालों में गणेश जी की स्थापना की जा रही है। जिसकी तैयारी एक सप्ताह से जारी है। अब 10 दिन तक समारोह पूर्वक आयोजन होंगे। उत्सव शुरू होते ही चहल पहल व रौनक के साथ शोरगुल बढ़ जाएगा। बारिश से बचाव को ध्यान में रखते हुए पंडाल पर टीन शेड व तिरपाल लगाई जा रही हैं।

घरों घर विराजमान होंगे विघ्नविनाशक

भक्ति भाव के साथ श्रद्धालुओं के द्वारा अपने घरों में शुभ चौघडिया में भगवान गणेश की मिट्टी की प्रतिमा स्थापित कर पूजन अर्चन शुरू किए जाएंगे। बीते वर्ष की तरह ही अधिकांश लोगों के द्वारा घरों में ही प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। अब इन प्रतिमाओं के पास 10 दिन तक घर वालों के द्वारा भजन कीर्तन के साथ आरती उत्सव मनाा जाएगा।

हाउसिंग बोर्ड और कोठीबाजार में बड़े गणेशजी

कोठीबाजार और हाउसिंग बोर्ड के गजराज चौक पर हर वर्ष कुछ हटकर बड़ी मूर्ति की स्थापना होती है। बीते वर्ष मुख्यमार्ग पर भगवान गणेश की 51 मूर्तियां समाहित रूप में स्थापित हो चुकी है। इस बार भी बड़े गणेश जी की स्थापना की जा रही है। समिति के द्वारा पूजन अर्चन आरती व भजन के कार्यक्रम धूमधाम से किए जाते हैं। यहां पर हर वर्ष किसी विशेष प्रतिमाओं को आकार दिया जाकर उत्सव मनाया जाता है। यहां की प्रतिमा श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहती है।

अंतिम चरण के कार्य शीघ्र पूर्ण कर कामकाजी महिलाओं को जल्द उपलब्ध कराएं हॉस्टल की सुविधा : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने नर्मदापुरम में निर्माणाधीन वर्किंग वूमेन हॉस्टल का निरीक्षण किया। उन्होंने हॉस्टल के प्रत्येक तल का भ्रमण कर निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने हॉस्टल के विभिन्न कक्षों में जाकर निर्माण कार्यों का अवलोकन किया तथा उपयोग की जा रही सामग्री एवं निर्माण की गुणवत्ता की जानकारी ली। उन्होंने साइट इंजीनियर को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों के अंतिम चरण को शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि कामकाजी महिलाओं को जल्द से जल्द हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम के साइट इंजीनियर ने कलेक्टर को हॉस्टल के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि निर्माणाधीन वर्किंग वूमेन हॉस्टल का कुल क्षेत्रफल लगभग 2900 वर्ग मीटर है। चार तल (जी+3) वाले इस हॉस्टल में कुल 56 कमरों का निर्माण किया जा रहा है। जिनमें 50 आवासीय कमरे तथा 6 प्रबंधन कार्य हेतु कमरे निर्मित किए जा रहे हैं।

अन्नदाताओं को दी जा रही हैं आवश्यक सुविधाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उन्नत कृषि करने वाले किसानों और जनप्रतिनिधियों से किया संवाद

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धरती पुत्र परिश्रम से फसल उगाते हैं, जो सभी को उपलब्ध होता है। अन्नदाता किसानों की समस्याओं को दूर कर उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली प्रवास के दौरान शनिवार को बलराम कृषि महोत्सव छतरपुर में वर्चुअल रूप से जुड़कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रगतिशील किसानों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड हीरों की धरती है। यहां की जमीन में हीरा निकलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले में होने वाली पिपरमेंट की खेती का भी जिक्र किया। साथ ही फर्नीचर की क्वालिटी को बेहतर बताया। छतरपुर जिले के किसानों को रबी सीजन की फसलों की नवीनतम तकनीक, उन्नत कृषि पद्धतियों एवं आधुनिक कृषि संसाधनों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हुए बलराम कृषि महोत्सव के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों ने दीप जलाकर किया। छतरपुर में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, प्रशासक अपेक्स बैंक डॉ. महेन्द्र सिंह यादव, प्रशासक सहकारिता के.पी. सिंह, विधायक राजनगर अरविंद पटेरिया उपस्थित थे।

केन-बेतवा परियोजना से बुंदेलखंड के किसानों को मिलेगा सिंचाई का बड़ा लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई केन-बेतवा लिंक परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना से बुंदेलखंड सहित संबंधित क्षेत्रों के किसानों को सिंचाई का भरपूर लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सिंचाई की सुविधा बढ़ने

से कृषि क्षेत्र को नई गति मिलेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने आल्हा-ऊदल के प्रसंग का उल्लेख करते हुए बुंदेलखंड की वीरता और गौरवशाली परंपरा का वर्णन किया। उन्होंने किसानों एवं उपस्थित लोगों से सामाजिक आयोजनों में अनावश्यक खर्च कम करने तथा सामूहिक विवाह को बढ़ावा देने की अपील की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को किसानों ने बताए कृषि क्षेत्र के नवाचार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को किसानों ने कृषि क्षेत्र के नवाचारों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छतरपुर जिले के प्रगतिशील किसान सलीम खान से संवाद किया।

श्री सलीम ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ होलेस्टिक फार्मिंग एवं औषधीय फसल उत्पादन एवं कृषि के साथ अन्य कृषकों को प्राकुतिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने के संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बिजावर निवासी कृषक सौरभ भटनागर ने बताया कि वे जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ फल और सब्जी उत्पादन कार्यक्रम तथा होलेस्टिक फार्मिंग (मुर्गी पालन, मछली पालन, बतख पालन) करते हैं। जनजाति समाज की श्रीमती हब्बीबाई ग्राम सलैया ने बताया कि उनके द्वारा कोदो, कुटकी, रागी, बाजरा, ज्वार एवं अन्य लघु धान्य फसलों का उत्पादन करते हुए प्रोसेसिंग के साथ बाजार में बेचा जाता है। ग्राम हतना निवासी अनिल यादव ने बताया कि उन्होंने कस्टम हायरिंग केन्द्र की स्थापना की। ट्रैक्टर सहित कुल 6 यंत्र खरीदे। गत वर्ष अन्य किसानों को किराए पर यंत्र उपलब्ध करवाने से लगभग 5.50 लाख तक मुनाफा प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान श्रीमती तुलसा कुशवाहा निवासी लखनगुवां से भी संवाद किया। श्रीमती तुलसा ने बताया कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ फसल और सब्जी उत्पादन, मुर्गी पालन, मछली पालन, बतख पालन आदि कर रहीं हैं जो उन्हें मुनाफा दे रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न जनप्रतिनिधियों से भी संवाद किया।

'खाकी वर्दी का योद्धा' पुस्तक का विमोचन

दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय, भोपाल में आयोजित हुआ समारोह

भोपाल (आरएनएस)। दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय, भोपाल में आज पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी स्वर्गीय श्री विजय रमन के जीवन एवं पुलिस सेवा के अनुभवों पर आधारित पुस्तक 'खाकी वर्दी का योद्धा' का विमोचन समारोह पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कैलाश मकवाणा ने स्वर्गीय श्री विजय रमन के व्यक्तित्व एवं पुलिस सेवा को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, स्पष्टवादिता, नेतृत्व क्षमता और टीम के प्रति सम्मान का प्रेरक उदाहरण रहा है।उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों का व्यक्तित्व और कार्यशैली आने वाली पीढ़ी के पुलिस अधिकारियों को दिशा देती है और विजय रमन भी अनेक अधिकारियों के लिए मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत रहे। श्री मकवाणा ने कहा कि विजय रमन ने अपने दीर्घ पुलिस सेवा जीवन में अनेक चुनौतीपूर्ण एवं महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया।

भोपाल में पीट-पीटकर युवक की हत्या

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के अन्ना नगर में शुक्रवार रात हंसी-मजाक को लेकर शुरू हुआ विवाद कुछ ही देर में खूनी संघर्ष में बदल गया। पड़ोसी को शक था कि एक दंपती उसका मजाक उड़ा रहा है। इसी बात को लेकर उसने पहले पति-पत्नी से गाली-गलौज की। विरोध करने पर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर दोनों पर हमला कर दिया।दंपती को बचाने पहुंचे 22 वर्षीय रितिक गौड़ के सिर पर भी आरोपियों ने पत्थर मार दिया। बाहर से गंभीर चोट नजर नहीं आने के बावजूद रात में उसकी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार तड़के उसकी मौत हो गई।पुलिस के मुताबिक, रितिक गौड़ (22) अन्ना नगर में रहता था और चाय की दुकान पर काम करता था। उसके घर के पास ही उसकी बहन और जीजा विजय रहते हैं। शुक्रवार रात करीब 10 बजे विजय और उनकी पत्नी घर के बाहर खड़े होकर हंसी-मजाक करते हुए सूरज नाम के व्यक्ति के बारे में बात कर रहे थे। पास में रहने वाले सूरज को लगा कि दंपती उसी का मजाक उड़ा रहे हैं।

बहन-जीजा से विवाद करता देख बचाने पहुंचा था

इसी बात को लेकर सूरज ने विजय और उसकी पत्नी से विवाद शुरू कर दिया। दोनों ने गाली-गलौज का विरोध किया तो सूरज ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन पर हमला कर दिया। आरोपियों ने डंडे और पत्थरों से मारपीट की, जिससे विजय और उनकी पत्नी को चोटें आईं। शोर सुनकर रितिक भी मौके पर पहुंचा और बीच-बचाव करने लगा।पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने रितिक के साथ भी लात-घूंसों से मारपीट की और उसके सिर पर पत्थर से वार किया। उस समय उसके सिर पर कोई गंभीर चोट नजर नहीं आई और न ही खून निकला। घटना के बाद रितिक घर चला गया। करीब दो घंटे बाद रात 12 बजे उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान शनिवार तड़के उसकी मौत हो गई।

इंटरनल ब्लीडिंग से गई युवक की जान

इलाज करने वाले डॉक्टरों ने पुलिस को बताया कि रितिक की मौत इंटरनल ब्लीडिंग के कारण हुई है। इसके बाद पुलिस ने सूरज, उसके भाई कबीर समेत छह आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। सूरज और कबीर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए अंतिम अतिरिक्त सीएलसी चरण 16 सितंबर तक

भोपाल, (ए)। मध्य प्रदेश में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को एक और अवसर प्रदान किया गया है। इसके लिए अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण 12 से 16 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा।

जनसम्पर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि उच्च शिक्षा संचालनालय द्वारा पूर्व में जारी आदेश के अनुसार रिक्त सीटों पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश की प्रक्रिया 21 से 31 अगस्त तक निर्धारित की गई थी। छात्र हित में विद्यार्थियों को रिक्त सीटों पर प्रवेश का अतिरिक्त अवसर प्रदान करने के लिए कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण की अवधि में वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण के अंतर्गत 12 से 16 सितंबर तक शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में उपलब्ध रिक्त सीटों पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश की कार्यवाही की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित अवधि में प्रवेश की कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए विद्यार्थियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, विद्यार्थी उपलब्ध रिक्त सीटों का लाभ उठाते हुए निर्धारित अवधि में संबंधित महाविद्यालय में प्रवेश की कार्यवाही पूर्ण कर सकते हैं। 16 सितंबर को निर्धारित समय के पश्चात प्रवेश मान्य नहीं होगा।

वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन

57 खंडपीठों में 10,757 लंबित और 80,500 प्री-लिटिगेशन प्रकरण निराकरण के लिए रखे गए

भोपाल (आरएनएस)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल के अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार को जिला न्यायालय परिसर, भोपाल में किया गया।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती तथा महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश श्री राजर्षि श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अग्नीध कुमार द्विवेदी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं न्यायाधीश श्री सुनीत अग्रवाल सहित न्यायाधीशगण, पुलिस कमिश्नर संजय कुमार, एडीएम पी.सी. शाक्य, मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के सदस्य राजेश व्यास, अभिभाषक संघ के अध्यक्ष देवेंद्र रावत एवं सचिव मुकेश नागपुरे सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, बैंक एवं विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, अभिभाषकगण एवं न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल के सचिव सुनीत अग्रवाल ने बताया कि जिला न्यायालय भोपाल, कुटुम्ब न्यायालय भोपाल, सिविल न्यायालय बैरसिया एवं औद्योगिक न्यायालय के लिए कुल 57 खंडपीठों का गठन किया गया है। नेशनल लोक अदालत में लगभग 10,757 लंबित प्रकरण तथा 80,500 प्री-लिटिगेशन प्रकरण निराकरण के लिए रखे गए हैं। लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, चेक बाउंस, बैंक रिकवरी, सिविल प्रकरण सहित प्री-लिटिगेशन के अंतर्गत बैंक रिकवरी, जलकर एवं संपत्ति कर से संबंधित मामलों का आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के आधार पर निराकरण किया जा रहा है।

मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने की सेवा संकल्प अभियान 2026 की तैयारियों की समीक्षा

विभागाध्यक्षों से अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन की अपेक्षा ,17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक के लिए गतिविधियां निर्धारित

भोपाल (आरएनएस)। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा है कि आगामी 17 सितंबर से चलने वाले एक माह के सेवा संकल्प अभियान-2026 की सभी सेवा गतिविधियों में संबंधित विभाग हिस्सा ले। श्री बर्णवाल ने शनिवार को मंत्रालय में अभियान की गतिविधियों के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की।

अभियान के पहले दिन सेवा आशीर्वाद का दिया प्रज्ज्वलन के अलावा रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। आशीर्वाद का दीया 17 सितम्बर को शाम 7 बजे पूरे प्रदेश में एक साथ दीप प्रज्जवलन होगा। आयोजन प्रत्येक जिले के 10 आइकॉनिक लोकेशंस पर विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति मे होगा। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रत्येक हितग्राही परिवार के घर पर दिए जलाए जाएंगे। प्रत्येक ग्राम पंचायत में न्यूनतम 500 दीपक, प्रत्येक नगर पालिका वार्ड में न्यूनतम 500 दीपक, प्रत्येक नगर निगम वार्ड में न्यूनतम 1,000 दीपक और प्रत्येक नगर परिषद वार्ड में न्यूनतम 250 दीपक प्रज्ज्वलित किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त जिला स्तर पर चिन्हित ऐतिहासिक स्थल, प्रमुख सार्वजनिक स्थान अथवा विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री के कार्यकाल से जुड़ी उपलब्धियों के स्थल पर भी दीप

प्रज्ज्वलन होगा। प्रदेश में निर्मित और निर्माणाधीन सभी आध्यात्मिक लोक जैसे - श्री महाकाल लोक, श्री राम राजा लोक, सलकनपुर देवी लोक आदि में विशेष रूप से सामूहिक दीप प्रज्जवलन के कार्यक्रम होंगे। जहाँ विभिन्न कारणों से दीपक प्रज्ज्वलित करना संभव न हो, उन स्थानों पर लाईटिंग/रोशनी भी की जा सकेगी। लाभार्थी परिवारों, व्यक्तियों एवं संस्थाओं द्वारा दीप प्रज्जवलन के फोटो/वीडियो/रील www.modiatwz.in पर अपलोड किए जायेंगे। लाड़ली बहना योजना की हितग्राहियों और स्वामित्व योजना के हितग्राही परिवारों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से ऑडियो संदेश भी प्रेषित किया जाएगा।

रक्तदान शिविर

रक्तदान शिविर का आयोजन भी 17 सितम्बर को दिन में होगा। शिविर जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिविल अस्पताल, जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में लगाए जाएंगे। रक्तदाताओं एवं इस कार्य से जुड़े व्यक्तियों / संस्थाओं रक्तदान शिविर के फोटो/वीडियो/रील www.modi-atwz.in पर अपलोड किए जा सकेंगे। ब्लड बैंक, रेडक्रास एवं मेडिकल कॉलेज से समन्वय होगा और डॉक्टर, पेरामेडिकल टीम, रक्तसंग्रह वाहन और आवश्यक चिकित्सा सुविधा सुलभ रखी जानी होगी

मेरे सपनों का भारत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत यह कार्यक्रम दो स्तरों पर होगा । जिला स्तर पर 19 से 26 सितम्बर तक और राज्य स्तर पर 4 एवं 05 अक्तूबर को आयोजित होगा। सरकारी स्कूलों/कॉलेजों के साथ-साथ सभी निजी स्कूलों/कॉलेजों की भागीदारी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाएगी। चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम जिला स्तर पर होगा। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र और पुरस्कार भी वितरित किए जाएँगे।

पुलिस मुख्यालय में सुरक्षाकर्मियों को दिया फायर सेफ्टी का प्रशिक्षण

मॉक ड्रिल में आधुनिक उपकरणों के माध्यम से आग बुझाने के सीखे तरीके

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को फायर सेफ्टी की ट्रेनिंग दी जा रही है। इसी तारतम्य में शनिवार सुबह पुलिस मुख्यालय के भूतल पर सुरक्षाकर्मियों एवं कर्मचारियों को स्वयं को सुरक्षित रखते हुए आग पर काबू पाने का प्रशिक्षण दिया गया। अग्नि नियंत्रण संबंधी प्रशिक्षण में आधुनिक उपकरणों द्वारा आग बुझाने की मॉकड्रिल भी की गई। मॉकड्रिल के दौरान तरल पदार्थों में लगी आग को पुलिस के जवानों ने अग्निशमन यंत्रों के प्रयोग से किस तरह आसानी से बुझाई जा सकती है, इसका प्रशिक्षण प्राप्त किया। सुरक्षाकर्मियों ने आग को धुएं और लपटों से बचकर बुझाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर आग बुझाने का अभ्यास भी किया। मॉकड्रिल में प्रमुख रूप से पुलिस मुख्यालय के सुरक्षा इंचार्ज मुकेश सैनी, निरीक्षक विजय नागले, सहायक उप निरीक्षक विनोद कुमार पांडे, पुलिस फायर स्टेशन भोपाल के उप निरीक्षक संतोष दुबे व उनकी टीम उपस्थित थी।

मॉकड्रिल के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आग बुझाने में प्रयोग किए जाने वाले आधुनिक उपकरणों के संबंध में जानकारी दी गई। आग बुझाने के दौरान प्रयोग में आने वाले कलेक्टिंग ब्रिज, डिवाइडिंग ब्रिज, फायर मेन हेलमेट, फोम नोजल, अग्निशमन सिलेंडर एवं कॉर्टेज, टॉर्च, रिवॉल्विंग नोजल, यूनिवर्सल ब्रांच, न्यू लाइट(ब्रांच), ऑर्डनरी ब्रांच, एडॉफ्टर, जाली, फायर मेन एक्स, लॉक कटर, प्रॉक्सीमेटी सूट, एल्यूमिनियम सूट, कैमिकल सूट, ब्रीदिंग ऑपरेटर सेट, लाइफ जैकेट, हौज पाइप, फायर ब्लैंकेट, अग्निशमन यंत्र आदि की जानकारी दी गई।

भोपाल में युवती ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

बॉयफ्रेंड को भेजा आखिरी मैसेज-मैं तुम्हारे लिए हमेशा लॉयल रही, मेरा सारा पैसा भी रख लेना

भोपाल, (आरएनएस)। भोपाल के कमला नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार रात 22 साल की युवती ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। आत्महत्या से पहले उसने अपने बॉयफ्रेंड अतुल को आखिरी मैसेज भेजा। इसमें लिखा था- 'मैं तुम्हारे लिए हमेशा लॉयल रही, मेरा सारा पैसा भी रख लेना।'मृतका वैशाली मूल रूप से कटनी की रहने वाली थी और भोपाल में किराए के मकान में रह रही थी। पुलिस के मुताबिक, उसने बीकॉम तक पढ़ाई की थी। वह भोपाल के एक साड़ी शोरूम में नौकरी करती थी। इसके साथ ही इवेंट में एंकर के तौर पर भी काम करती थी। पुलिस के अनुसार, वैशाली ने करीब 20 दिन पहले नौकरी छोड़ दी थी। इसके बाद वह कटनी स्थित अपने घर चली गई थी। 2 सितंबर को वह कटनी से भोपाल आई थी। मामले में पुलिस ने उसकी मां के बयान दर्ज किए हैं। मां रेलवे में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। युवती के पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। वैशाली परिवार की इकलौती बेटी थी।

प्रधान आरक्षक नीलेंद्र सिंह के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में युवती की मां ने बताया कि वह डिप्रेशन से परेशान थी। परिवार ने पुलिस को यह भी बताया कि वैशाली को माइग्रेन की समस्या थी। हालांकि, सुसाइड की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नई दिल्ली के ब्रिक्स बाजार में छाई मध्य प्रदेश की बाग प्रिंट

- विदेशी प्रतिनिधियों ने स्वयं ठप्पे लगाकर जानी पारंपरिक कला की बारीकियां

भोपाल, (आरएनएस)। देश की राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के अवसर पर सजे ब्रिक्स बाजार में मध्य प्रदेश के धार जिले की विश्व प्रसिद्ध बाग प्रिंट कला विदेशी प्रतिनिधियों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।प्राकृतिक रंगों और लकड़ी के बारीक नक्काशीदार ब्लॉक्स से तैयार होने वाली इस पारंपरिक हस्तशिल्प कला के जीवंत प्रदर्शन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय मंच पर मध्य प्रदेश की समृद्ध कला एवं सांस्कृतिक विरासत को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। यहां पहुंचने वाले देश-विदेश के प्रतिनिधियों को बाग प्रिंट की विशिष्ट तकनीक, प्राकृतिक रंगों के उपयोग और लकड़ी के नक्काशीदार ब्लॉक्स से कपड़े पर छपाई की प्रक्रिया से परिचित कराया जा रहा है।

विदेशी प्रतिनिधियों ने स्वयं लगाए बाग प्रिंट के ठप्पे

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए विभिन्न देशों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को ब्रिक्स बाजार का

अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने बाग प्रिंट स्टॉल पर पहुंचकर पारंपरिक ब्लॉक प्रिंटिंग की प्रक्रिया को करीब से देखा और इसकी बारीकियों को समझा।

प्रतिनिधियों ने न केवल इस पारंपरिक कला की सराहना की, बल्कि स्वयं लकड़ी के नक्काशीदार ठप्पों को रंगों में डुबोकर कपड़े पर प्रिंट भी किया। इस अवसर के लिए विशेष रूप से 'ब्रिक्स' लोगो वाले ब्लॉक्स तैयार किए गए थे। प्रतिनिधियों ने इन ब्लॉक्स से ठप्पे लगाकर तैयार किए गए कपड़ों को स्मृति-चिह्न के रूप में अपने साथ ले गए।

वैश्विक मंच पर मध्यप्रदेश की कला को मिली नई पहचान

18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक मंच पर केन्द्रीय सरकार द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित धार जिले के मोहम्मद बिलाल खत्री द्वारा बाग प्रिंट का जीवंत प्रदर्शन किया जा रहा है। विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों द्वारा इस पारंपरिक कला को करीब से समझना, स्वयं इसकी प्रक्रिया में भाग लेना और इसकी सराहना करना मध्य प्रदेश की समृद्ध शिल्प परंपरा के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्राकृतिक रंगों और लकड़ी के बारीक नक्काशीदार ब्लॉक्स से तैयार होने वाली बाग प्रिंट मध्यप्रदेश की विशिष्ट हस्तशिल्प पहचान है।

उज्जैन में अब गणेशजी रोए! प्रतिमा की आंखों से निकलते दिखे आंसू, चोला चढ़ाते ही कम हुईं बूंदें

उज्जैन (ए.)। ताजपुर गांव से एक अनोखा मामला सामने आया है. यहां गणेश चतुर्थी त्यौहार से ठीक पहले ग्रामीणों के बीच एक विशेष चर्चा शुरू हो गई है. गांव की माता जी की बावड़ी स्थित गणेश मंदिर में सुबह ग्रामीणों ने प्रतिमा की आंखों से आंसू निकलते देखने का दावा किया है. इस घटना की खबर जैसे ही गांव में फैली, मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लग गई. मंदिर में पूजा-अर्चना का दौर तेजी से शुरू हो गया.इसका वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है. ये वीडियो उज्जैन के ताजपुर गांव का बताया जा रहा है. मंदिर में सुबह के समय पहुंचे कुछ ग्रामीणों ने प्रतिमा की आंखों से पानी की बूंदें निकलते हुए देखीं. देखते ही देखते यह खबर पूरे ताजपुर गांव में फैल गई. इसके बाद बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंचने लगे.

भगवान रोए तो ढोल बजे, उतारी आरती!

प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीण ईश्वर सिंह के अनुसार, शनिवार सुबह लगभग 6:30 बजे जब लोग माता जी के झोपड़े पर दर्शन करने पहुंचे, तब वहां प्रतिमा के रोते हुए का दृश्य दिखाई दिया. इसके बाद गांव के सभी वरिष्ठ नागरिकों और युवा मंडली को तुरंत सूचना दी गई. सभी ग्रामीणों ने एकत्र होकर मंदिर परिसर में भगवान गजानन जी महाराज की महाआरती की. इस दौरान मंदिर में ढोल बजाए गए और विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा की गई.

दिव्यांगजन आयुक्त ने किया दिव्यांग संस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण

बैतूल, (ए.)। मध्य प्रदेश के दिव्यांगजन आयुक्त डॉ. अजय खेमरिया ने शनिवार को बैतूल में दिव्यांगजनों से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया। इससे पहले उन्होंने भारत-भारती में सक्षम संस्था द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन समारोह में सहभागिता की। आयुक्त ने सर्वप्रथम जिला शिक्षा केंद्र द्वारा संचालित सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास का निरीक्षण किया। यहां छात्रावास के सामने जलभराव तथा शयन कक्ष में सीलन की स्थिति पाई गई। निरीक्षण के दौरान वार्डन एवं सहायक वार्डन भी छात्रावास में उपस्थित नहीं मिले। बालिका छात्रावास में उपस्थिति पंजी के संधारण में भी गंभीर कमियां सामने आईं। इसके बाद डॉ. खेमरिया ने सामाजिक न्याय विभाग द्वारा संचालित प्रताप वार्ड स्थित अस्थिबाधित विद्यालय एवं छात्रावास का निरीक्षण किया। इस दौरान अधीक्षक ने छात्रावास की उपलब्धियों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

पर्यूषण पर्व : हर्षोल्लास के साथ हुआ प्रभु महावीर का जन्मवाचन महोत्सव

मंदसौर, (ए.)। पर्यूषण महापर्व के पंचम दिवस शनिवार को तीर्थंकर परमात्मा प्रभु महावीर का जन्मवाचन महोत्सव श्री सोधर्मवहतपोगच्छय त्रिस्तुतिक जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ, परम स्पर्श चातुर्मास समिति मंदसौर, राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद व तरूण परिषद के द्वारा राजेन्द्र रिसोर्ट में मनाया गया। प.पू. जैन संत मुनिराज प्रत्यक्ष रत्नविजयजी म.सा. व पवित्ररत्नविजयजी म.सा. ने बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को कल्पसूत्र का वाचन करते हुए जैसे ही प्रभु महावीर का जन्मवाचन सुनाया प्रभुजी के जयकारे गूंज उठे। अक्षत उछालकर श्रीफल बदारकर श्रावक श्राविकाओं ने प्रसन्नता व्यक्त की। जन्मवाचन पर पालना जी का जुलूस भी निकला। बैंड बाजे के साथ निकले इस जुलूस में बड़ी संख्या में धर्मावलम्बी शामिल हुए। जुलूस के बाद महोत्सव के सम्पूर्ण लाभार्थी मदनलालजी मोतीलालजी चपरोत परिवार के द्वारा स्वामीवात्सल्य का आयोजन हुआ। जन्मवाचन पर छब्बालालजी फतेहचंदजी मारू परिवार के द्वारा प्रभावना भी वितरित की गयी।

मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की स्थापना घर में हो

उज्जैन (ए.)। 'माटी गणेश-सिद्ध गणेश, घर-घर गणेश' जैसे महत्वपूर्ण अभियान के माध्यम से सरकार द्वारा आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। प्रत्येक घर में मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमा की स्थापना की जाए, ताकि जल एवं पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके।यह विचार ग्राम हत्या खेड़ी में आयोजित सेक्टर स्तरीय माटी गणेश निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम में पटेल श्री भगवान सिंह भाटी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की स्थापना हमारी परंपरा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर पंचायत सचिव श्री शिव प्रसाद मंडलोई ने कहा कि बाजार में केमिकल युक्त रंगों एवं प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से निर्मित गणेश प्रतिमाएं उपलब्ध हैं। इनके विसर्जन से जल स्रोतों में प्रदूषण फैलता है। इसलिए सभी को प्राकृतिक मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के लिए आगे आना चाहिए। जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक श्रीमती रेणुका श्रोत्रिय ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप नवांकुर सखियों को माटी गणेश निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे स्वयं अपने घरों में मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाकर उसकी स्थापना करें और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। माटी गणेश निर्माण का व्यवहारिक प्रशिक्षण मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र श्री मितेश शर्मा द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने की विभिन्न विधियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार नवांकुर संस्था के श्री इंदर सिंह भाटी ने व्यक्त किया।

श्योपुर के स्कूल में दंगल, रसोइया ने प्रिंसिपल को चप्पलों से दौड़ा-दौड़ाकर पीटा; कॉलर पकड़कर खींचा

श्योपुर (ए.)। आमतौर पर सरकारी स्कूल पढ़ाई, अनुशासन या सांस्कृतिक आयोजनों की खबरों को लेकर चर्चा में रहते हैं. लेकिन मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले से एक ऐसा हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने शिक्षा व्यवस्था और स्कूल परिसर की गरिमा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. श्योपुर के एक शासकीय स्कूल में महिला रसोइया और हेड मास्टर के बीच जमकर मारपीट हुई.महिला रसोइया ने प्रिंसिपल पर जरा भी रहम नहीं दिखाया. किसी बात को लेकर भड़की रसोइया ने पैर से चप्पल निकाली और प्रिंसिपल साहब को दौड़ा-दौड़ाकर पीटना शुरू कर दिया. हद तो तब हो गई जब रसोइया ने प्रिंसिपल का कॉलर कसकर पकड़ा और उन्हें जमीन पर गिराने की कोशिश की. स्कूल परिसर अचानक कुश्ती का मैदान बन गया और वहां अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया.इस पूरे ड्रामे के दौरान स्कूल परिसर में लोगों और ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई. हैरान करने वाली बात यह रही कि तमाशबीन बने लोगों में से किसी ने भी बीच-बचाव कर प्रिंसिपल को बचाने का प्रयास नहीं किया. लोग अपने मोबाइल फोन से इस घटना का वीडियो बनाते रहे. देखते ही देखते घटना का यह वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया.

गिरते पानी में डेब नदी के ऊपर तार बदलने का सफलतापूर्वक कार्य

खरगोन (ए.)। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड खरगोन जिले के दक्ष और सेवाभावी कर्मचारियों ने वर्षा के बाद भी नदी के दोनों छोर के ऊपर 33 केवी के तार बदलने का चुनौतीपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक किया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस कार्य को प्रशंसनीय और अनुकरणीय बताया है। 220 केवी अति उच्च दाब सब स्टेशन जुलवानिया से खरगोन जिले के सैगांव तक जाने वाले 33 केवी फीडर के तार भूलगांव के पास डेब नदी के उपर से निकलते हैं। शुक्रवार रात मौसम में भारी बदलाव, आंधी तूफान के कारण जुलवानिया से निकले उपरोक्त 33 केवी फीडर के तार भूलगांव के पास खराब होने की स्थिति बन गई थी, इस पर अत्यंत कम समय में स्टाफ एवं तैराकों की मदद से शनिवार अलसुबह से दोपहर तक 33 केवी तार बदलने का कार्य किया गया। गोलवाड़ी क्षेत्र सेगांव ब्लॉक क्षेत्र को जोड़ने वाली उक्त 33 केवी लाइन के तार विगत रात्रि

को आए आंधी तूफान के कारण टूटने की अवस्था में पहुंचने पर उन्हें त्वरित बदला गया। खरगोन प्रथम संभाग के कार्मिकों ने जुलवानिया 220 केवी से निर्गमित 33 केवी सेगांव फीडर के तार 25 लाइन स्टाफ, गोताखोर एवं तैराकों की मदद से बदला गया। समस्त सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करते हुए तत्परतापूर्वक कार्य कर मात्र सात घंटे में पूरा किया गया। यह चुनौतीपूर्ण कार्य करने का औसत समय चौबीस घंटे है। उपरोक्त 33 केवी लाइन का उपयोग गोलवाड़ी उपकेंद्र पर किया जाता है, जिससे लगभग 20 गांव की आबादी को विद्युत प्रदान किया जाता है।

शुक्रवार रात्रि में जैसे ही मौसमी कारणों से तार अत्यंत कमजोर होने की सूचना प्राप्त हुई तुरंत स्टाफ के माध्यम से गोलवाड़ी उप केंद्र को वैकल्पिक 33 केवी लाइन पर शिफ्ट कराया गया एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए डेब नदी के ऊपर से जा रही उपरोक्त लाइन पर नए 33 केवी तार डालने का कार्य किया गया। खरगोन के इन सेवाभावी विद्युत सेवकों की तत्परता, सजगता, कर्मशील भावना की मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के एम डी श्री अनूप सिंह ने भी प्रशंसा की है।

व्यापार समाचार

TATA के दबदबे को चुनौती, 10 लाख से कम बजट में 2 नई इलेक्ट्रिक कारें लाने की तैयारी में ये कंपनी

नई दिल्ली (ए.)। वियतनाम की दिग्गज इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी विनफास्ट (VinFast) भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए अपनी रणनीतियों में बड़ा बदलाव कर रही है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी खासतौर पर भारतीय ग्राहकों और स्थानीय सड़कों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दो नई इलेक्ट्रिक कारें तैयार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य इनमें से एक मॉडल को 12,000 डॉलर यानी करीब 10 लाख रुपये से भी कम कीमत में लॉन्च करना है, जिससे भारतीय बजट ईवी सेगमेंट में मुकाबला बेहद रोचक होने वाला है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, विनफास्ट की इन दो आगामी इलेक्ट्रिक कारों को आंतरिक रूप से 'VF X' और 'VF Y' कोडनेम दिया गया है। हालांकि यह योजना अभी शुरुआती चरण में है और प्रोडक्शन तक पहुंचने के दौरान इसमें आवश्यक बदलाव किए जा सकते हैं।

यह कदम कंपनी की पूर्व योजनाओं से पूरी तरह अलग है। पहले विनफास्ट भारत में अपने मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मॉडल्स—VF 3, VF 6 और VF 7 का स्थानीय स्तर पर उत्पादन करने की तैयारी में थी। लागत अधिक होने और निर्धारित मूल्य सीमा हासिल न कर पाने के कारण कंपनी ने इन मॉडल्स के स्थानीय उत्पादन के पुराने प्लान को रोक दिया है। फिलहाल कंपनी तमिलनाडु के थूथुकुडी प्लांट में सीकेडी (CKD) रूट के जरिए सिर्फ चुनिंदा मॉडल्स की असेंबली कर रही है। नए मॉडल्स को सफल बनाने के लिए विनफास्ट ने भारत के स्थानीय कंपोनेंट सप्लायर्स से शुरुआती बातचीत शुरू कर दी है।

कंपनी का मुख्य उद्देश्य वाहनों के निर्माण में स्थानीय कलपुर्जों की हिस्सेदारी (लोकलाइजेशन) को अधिक से अधिक बढ़ाना है। शुरुआत से ही घरेलू वेंडर्स को शामिल करने से उत्पादन लागत पर कड़ा नियंत्रण रहेगा, जिससे गाड़ियों की अंतिम कीमत को भारतीय ग्राहकों के अनुकूल और प्रतिस्पर्धी बनाए रखा जा सकेगा। आगामी मॉडल्स में 'VF X' सबसे अहम भूमिका निभाने वाला है। विनफास्ट इसे 12,000 डॉलर (लगभग रू 10 लाख) से कम के प्राइस टैग के साथ पेश करना चाहती है।

सेबी जल्द सीएएस फ्रेमवर्क पर जारी कर सकता है कंसल्टेशन पेपर : रिपोर्ट

मुंबई (ए.)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) शनिवार को क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) पर एक कंसल्टेशन पेपर जारी कर सकता है। इसमें नियामक डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स के सेटलमेंट प्राइस तय करने की मौजूदा प्रक्रिया में बदलाव का प्रस्ताव रख सकता है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रस्ताव पर 24 सितंबर को होने वाली सेबी बोर्ड की बैठक में चर्चा होने की संभावना है। इसमें बाजार प्रतिभागियों द्वारा उठाई गई उन चिंताओं को संबोधित किया जाएगा, जो नए सीएएस मैकेनिज्म के तहत एक्सपायरी वाले दिन डेरिवेटिव्स के सेटलमेंट प्राइस की गणना को लेकर हैं।

फेस्टिव सीजन में IRCTC ने रचा इतिहास, सर्वर क्रैश हुए बिना 24 घंटे में बुक हुए रिकॉर्ड 20 लाख टिकट

नई दिल्ली (ए.)। आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए घर जाने वाले मुसाफिरों की भारी भीड़ के बीच भारतीय रेलवे की ई-टिकटिंग शाखा आईआरसीटीसी (IRCTC) ने इतिहास रच दिया है। त्योहारी मांग के चलते 7 सितंबर को आईआरसीटीसी के जरिए रिकॉर्ड 20 लाख से ज्यादा ट्रेन टिकट बुक किए गए। भारतीय रेलवे के इतिहास में यह पहला मौका है जब एक ही दिन में इतनी विशाल संख्या में ऑनलाइन टिकटों की बुकिंग बिना किसी तकनीकी रुकावट के पूरी की गई। आईआरसीटीसी की आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक, 7 सितंबर को कुल 20,06,353 टिकटों की रिकॉर्ड तोड़ बुकिंग हुई। इस सिलसिले को जारी रखते हुए अगले दिन यानी 8 सितंबर को भी 19,50,699 टिकट बुक किए गए। यह आंकड़ा पिछले साल के त्योहारी सीजन के पीक डे (18,40,203 टिकट) की तुलना में करीब 6 फीसदी अधिक है। इन आंकड़ों से साफ है कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ महापर्व पर घर लौटने वाले मुसाफिर इस बार ऐन वक्त की मारामारी से बचने के लिए काफी पहले से अपनी सीट पक्की कर रहे हैं।

देश में कुल आरक्षित (रिजर्व) रेल टिकटों में से करीब 89 फीसदी बुकिंग ऑनलाइन माध्यमों से होती है। फेस्टिव सीजन के दौरान भारी ट्रैफिक लोड से वेबसाइट को क्रैश होने से बचाने के लिए आईआरसीटीसी ने अपनी सर्वर क्षमता को करीब दोगुना कर दिया है। इसके अलावा 15 जुलाई 2026 को लॉन्च किए गए नए यूजर इंटरफेस ने मुसाफिरों के अनुभव को बेहद सुगम बना दिया है। नए सिस्टम की बदौलत यात्री अब एक ही स्क्रीन पर सभी श्रेणियों (Travel Classes) की सीट उपलब्धता देख सकते हैं, जिससे वेबसाइट पर ट्रैफिक लोड बंट गया और कोई तकनीकी खामी नहीं आई। टिकटों की कालाबाजारी और अवैध सॉफ्टवेयर से बुकिंग रोकने के लिए रेलवे ने बेहद कड़े तकनीकी कदम उठाए हैं। आधुनिक एंटी-बोट सिस्टम लागू होने से संदिग्ध ऑटोमेटेड ट्रैफिक में 55 से 65 फीसदी तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ ही तत्काल बुकिंग शुरू होने के शुरुआती 10 मिनट (सुबह 8:00 से 8:10 बजे) के दौरान अधिकृत एजेंटों की बुकिंग पर पूरी तरह रोक लगाई गई है। इस कड़े सुरक्षा अभियान के तहत आईआरसीटीसी ने 3.04 करोड़ फर्जी यूजर अकाउंट हमेशा के लिए बंद कर दिए हैं, जबकि 6.33 करोड़ यूजर आईडी को दोबारा वेरिफिकेशन के लिए चिह्नित किया है।आईआरसीटीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राहुल हिमैलियन के अनुसार, प्रतिदिन होने वाली 18 से 19 लाख बुकिंग में से 89 फीसदी हिस्सा ऑनलाइन आता है। इस ऑनलाइन शेयर में सबसे बड़ी 53 फीसदी हिस्सेदारी आधिकारिक 'IRCTC Rail Connect AppÓ की है। इसके अलावा 28 फीसदी टिकट पेटीएम, मेकमायट्रिप और कन्फर्मटिकट जैसे थर्ड-पार्टी प्लेटफॉर्म्स से बुक होते हैं। आईआरसीटीसी की मुख्य वेबसाइट के जरिए 17 फीसदी बुकिंग की जाती है, जबकि शेष 2 फीसदी टिकट सरकारी सिस्टम और काउंटरों के तहत बुक होते हैं।

Zomato से खाना मंगाना हुआ और महंगा, अब CASH ON DELIVERY पर लगेगा इतने रुपए तक का एक्स्ट्रा चार्ज

नई दिल्ली (ए.)। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अब 'कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी)' विकल्प चुनने वाले ग्राहकों से 5 रुपए से 20 रुपए तक का अतिरिक्त शुल्क लेना शुरू कर दिया है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा और राजस्व स्रोतों को मजबूत करने की रणनीति के तहत कंपनी अब ऑर्डर के दौरान भुगतान के तरीके से भी कमाई करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। कंपनी के ऐप पर दिखाई देने वाले बिल विवरण के अनुसार, 'पे ऑन डिलीवरी फीस' नाम से यह शुल्क अलग से जोड़ा जा रहा है। यह शुल्क केवल उन ग्राहकों पर लागू हो रहा है जो ऑनलाइन भुगतान के बजाय डिलीवरी के समय नकद भुगतान का विकल्प चुनते हैं। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकांश मामलों में यह शुल्क 5 रुपए है, हालांकि कुछ ऑर्डरों में ग्राहकों से 7 रुपए और कुछ मामलों में 20 रुपए तक भी वसूले गए हैं। यह नया शुल्क जोमैटो के पहले से लागू प्लेटफॉर्म शुल्क, रेस्तरां द्वारा लिए जाने वाले पैकेजिंग शुल्क और जीएसटी से अलग है। यानी 'कैश ऑन डिलीवरी' विकल्प चुनने वाले ग्राहकों को अब कुल बिल में एक अतिरिक्त राशि भी चुकानी पड़ेगी। वहीं, ऑनलाइन भुगतान करने वाले ग्राहकों से यह शुल्क नहीं लिया जा रहा है। जोमैटो प्रतिदिन लगभग 23 लाख से 25 लाख फूड ऑर्डर प्रोसेस करता है। ऐसे समय में जब रैपिडो का फूड डिलीवरी ब्रांड ओनली तेजी से बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है और फ्लिपकार्ट भी अपने 'ईट इन' फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म का परीक्षण कर रहा है, जोमैटो नए राजस्व स्रोतों की तलाश में है।गौरतलब है कि फूड डिलीवरी कंपनियों ने वर्ष 2023 में पहली बार प्लेटफॉर्म फीस लगानी शुरू की थी। शुरुआत स्विगी ने 2 रुपए प्रति ऑर्डर शुल्क से की थी, जिसके बाद जोमैटो ने भी इसी तरह का शुल्क लागू किया। बाद में कंपनी ने प्लेटफॉर्म फीस को लगातार बढ़ाया और इस वर्ष इसे 12.50 रुपए से बढ़ाकर 14.99 रुपए प्रति ऑर्डर कर दिया। इस पर जीएसटी अलग से लिया जाता है। वर्तमान ऑर्डर वॉल्यूम को देखते हुए शुल्क में मामूली वृद्धि भी कंपनी के लिए सालाना आधार पर सैकड़ों करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकती है।

बिना GST नंबर के भी मिलेगा लोन, SBI ला रहा है PI बेस्ड नया सिस्टम

मुंबई (ए.)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने छोटे कारोबारियों और दुकानदारों को लोन देने के लिए एक नई और क्रांतिकारी व्यवस्था पर काम शुरू किया है। बैंक अब कर्ज देने की पात्रता (लोन एलिजिबिलिटी) तय करने के लिए यूपीआई (UPI) ट्रांजैक्शन डेटा का सहारा लेगा। एसबीआई के प्रबंध निदेशक अश्विनी कुमार तिवारी ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि इस नए डिजिटल असेसमेंट मॉडल से उन कारोबारियों को सबसे ज्यादा मदद मिलेगी, जिनके पास जीएसटी रजिस्ट्रेशन नहीं है।

बिना जीएसटी वाले छोटे दुकानदारों को मिलेगा बड़ा सहारा

अश्विनी कुमार तिवारी के अनुसार, यह योजना मुख्य रूप से उन छोटे व्यापारियों और वेंडर्स को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है जिनकी बिक्री नियमित है और ग्राहक उन्हें यूपीआई के जरिए भुगतान करते हैं। बैंक इन डिजिटल लेनदेन को संबंधित कारोबारी की वास्तविक बिक्री और टर्नओवर का पुख्ता पैमाना मानेगा। इसी डेटा के विश्लेषण के आधार पर एसबीआई एक विशेष यूपीआई-आधारित क्रेडिट सॉल्यूशन तैयार कर रहा है, जिससे बिना जीएसटी वाले कारोबारियों की कर्ज चुकाने की क्षमता का सटीक आकलन किया जा सकेगा।

जीएसटी वालों को 10 मिनट में लोन, अब नए डेटा की बारी

एसबीआई एमडी ने बताया कि जीएसटी रजिस्टर्ड व्यापारियों के लिए बैंक ने लोन प्रक्रिया को पहले ही बेहद सुगम बना दिया है और ऐसे ग्राहकों को मात्र 10 मिनट के भीतर लोन स्वीकृत किया जा रहा है। पिछले 18 महीनों के दौरान बैंक ने जीएसटी और पैन डेटा के आधार पर 1 लाख करोड़ रुपये के कर्ज बांटे हैं। हालांकि, जीएसटी नेटवर्क से बाहर मौजूद लाखों छोटे दुकानदारों को वित्तीय मुख्यधारा से जोड़ना एक बड़ी चुनौती थी, जिसके लिए बैंक अब वैकल्पिक डेटा का रुख कर रहा है।

सहमति आधारित डेटा मॉडल से तय होगी पात्रता

यूपीआई लेनदेन के आंकड़ों को लेकर तिवारी ने बताया कि लोन देने वाले बैंक को हमेशा यह स्पष्ट नहीं होता कि पैसा कहां से आ रहा है और कहां जा रहा है, लेकिन प्राप्तकर्ता बैंक और पेमेंट ऐप्स के पास इसका सटीक रिकॉर्ड होता है। इस चुनौती से निपटने के लिए बैंक ग्राहक की स्पष्ट सहमति के बाद यूपीआई पेमेंट हिस्ट्री और दूरसंचार कंपनियों से मिलने वाले एनालिटिक्स का इस्तेमाल करेगा। इस डेटा-संचालित मॉडल के लागू होने से उन छोटे दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों के लिए औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से कर्ज हासिल करना बेहद आसान हो जाएगा, जिनका डिजिटल रिकॉर्ड मजबूत है लेकिन कागजी औपचारिकताएं सीमित हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं?

डीआरडीओ ने पारंपरिक मिसाइल क्षेत्र में जो तकनीकें विकसित की हैं, भारत सरकार ने उन सबको निजी कंपनियों को सौंपने को मंजूरी दे दी है। सवाल है, अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं?

भारत में 2001 में रक्षा क्षेत्र को प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला गया था। 2020 में इस क्षेत्र में ऑटोमैटिक रूट से 74 प्रतिशत और सरकारी मंजूरी के रास्ते 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की इजाजत दी गई। अब तक 350 से ज्यादा निजी कंपनियों को उत्पादन लाइसेंस जारी किए गए हैं। लेकिन 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के समय भारतीय सेना को निजी क्षेत्र से इतनी निराशा हुई कि लड़ाई के बाद बड़े सैन्य अधिकारियों ने इन कंपनियों की सार्वजनिक आलोचना की। वायु सेनाध्यक्ष ए.पी. सिंह ने कहा कि एक भी प्रोजेक्ट ऐसा नहीं है, जो समय पर पूरा हुआ हो। उन्होंने कहा कि इन कंपनियों से कॉन्ट्रैक्ट साइन करते वक्त यह पता नहीं होता कि वह समय पर पूरा होगा या नहीं। उन्होंने प्राइवेट कंपनियों से मुनाफे की सोच से ऊपर उठने का आह्वान किया था।

उप सेना प्रमुख राहुल आर. सिंह ने भी निजी रक्षा क्षेत्र को लेकर काफी हद तक एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह से मिलते-जुलते विचार जताए। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा कि अप्रैल 2025 में (ऑपरेशन सिंदूर से पहले) जब उन्होंने ड्रोन निर्माताओं से समय पर उपकरण देने की क्षमता पूछी, तो कई ने हाथ खड़े कर दिए। दोनों बड़े सैन्य अधिकारियों ने ध्यान दिलाया कि निजी कंपनियां रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्च नहीं करना चाहतीं। अब भारत सरकार ने पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों पर सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने जो तकनीकें विकसित की थीं, उन सबको उन्हीं निजी कंपनियों को सौंपने को मंजूरी दे दी है।

ऐसा मिसाइल क्षेत्र में सरकार का एकाधिकार खत्म करने का तर्क देकर किया जा रहा है। मगर निजी कंपनियां अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं? अगर उनमें इसको लेकर प्रतिस्पर्धा हो, तो भारत में ऐसे नए अस्त्र बनाए जा सकते हैं, जिनसे दुनिया अचंभित हो! लेकिन यह अनुभव दुनिया भर का है कि तुरंत मुनाफे की भावना से प्रेरित निजी क्षेत्र दीर्घकालिक महत्त्व के निवेश नहीं करता। ऐसे में सार्वजनिक क्षेत्र को रक्षा क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका निभानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे बेशुमार तजुर्बों से भारत में कुछ नहीं सीखा जा रहा है।

कविता

स्त्रियों के सम्मान से सम्मानित राष्ट्र।
जिस घर में स्त्री की हँसी सुरक्षित,
वहीं आँगन में उजली सुबह
स्त्री केवल रिश्तों का नाम नहीं,
वे जीवन को थामे एक कोमल शक्ति ।
जिस राष्ट्र में बेटियाँ निर्भय ,
उस राष्ट्र की राहें स्वयं उजली होती ।
माँ की आँखों में जहां सम्मान का उजाला हो,
वहाँ हर बच्चे के सपनों में आसमान निराला हो।
स्त्री को कमजोर समझना, स्वयं को कमजोर करना ,
उनके अधिकारों को बचाना, भविष्य को सँवारना ।
उसकी चुप्पी को सहमति मत समझो,
उसके आँसुओं को कभी कमजोरी मत समझो।
सम्मान उसके वस्त्रों से नहीं, उसके अस्तित्व से हो,
न्याय उसके शब्दों से नहीं, उसके अधिकारों से हो।
जिस देश में नारी सुरक्षित, सम्मानित और स्वतंत्र होगी,
वही धरती सच में सभ्य और समृद्ध होगी।
आओ, हर बेटी के सपनों को पंख दें,
स्त्री के सम्मान से अपने राष्ट्र को सम्मान दें।

संजीव ठाकुर

वंदे मातरम को स्वीकार करने से भाग रही कांग्रेस

एस. सुनील

वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों की राष्ट्रवाद की भावनाओं को प्रतीकित करने का माध्यम है। यह भारत की नियति का एक सबसे सुंदर हिस्सा है। दुर्भाग्य से कांग्रेस पार्टी इस नियति को स्वीकार करने से भाग रही है। जिस पार्टी ने आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया, आजादी के 80वें वर्ष तक आते आते उसका इतना पतन हो गया कि उसने अपना ही इतिहास भुला दिया! आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस इतिहास को 1937 से शुरू करना चाहती है। लेकिन वंदे मातरम का इतिहास तो 1875 से शुरू होता है, जब महान बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इसकी रचना की थी। इस गीत ने कई तरह के बदलाव देखे हैं। आजादी से पहले और आजादी के बाद की स्थितियां देखी हैं। अगर कांग्रेस इसे आजादी से पहले वाली स्थिति में ही रख कर देखना चाहती है तो यह उसकी समझ है। परंतु मौजूदा समय मुस्लिम लीग और मोहम्मद अली जिन्ना जैसे किसी नेता के दबाव में निर्णय का नहीं है।

क्या कांग्रेस भूल गई कि 1896 के बाद से यह पूरा गीत कांग्रेस के अपने इतिहास का हिस्सा रहा है? स्वंय गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर ने 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए थे। 1896 से लेकर 1937 तक कांग्रेस के कम से कम सात राष्ट्रीय अध्यक्ष मुस्लिम थे और उन सबकी अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए गए। किसी मुस्लिम अध्यक्ष ने इस आधार पर आपत्ति नहीं की थी कि इसमें हिंदू देवी, देवताओं का जिक्र है और इससे उनकी धार्मिक भावना आहत होती है। शुरुआत 1896 से ही होती है, जब मोहम्मद रहमतुल्ला एम सयानी कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे और तब के कलकत्ता अधिवेशन में पूरा वंदे मातरम गाया गया था। ऐसे ही 1913 में कराची अधिवेशन में नवाब सैयद मोहम्मद बहादुर कांग्रेस अध्यक्ष थे और पूरा वंदे मातरम गाया गया था। 1918 में उस समय के बॉम्बे में हुए विशेष कांग्रेस अधिवेशन में सैयद हसन इमाम कांग्रेस अध्यक्ष थे और वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए गए। 1921 में हकीम अजमल खां और 1923 में मोहम्मद अली जौहर कांग्रेस अध्यक्ष थे और तब भी पूरे वंदे मातरम का गायन हुआ था। उसके बाद मौलान अबुल कलाम आजाद और मुख्तार अहमद अंसारी के समय भी वंदे मातरम को

लेकर विवाद नहीं हुआ।

यह ऐतिहासिक तथ्य है कि मोहम्मद अली जिन्ना से पहले किसी मुस्लिम नेता ने धार्मिक भावना आहत होने के सवाल पर इस गीत का विरोध नहीं किया था। मुस्लिम नेताओं ने इस गीत का विरोध इसलिए नहीं किया था क्योंकि यह राष्ट्रवाद की भावना का गीत था, आजादी की लड़ाई का गीत था और साथ ही हिंदू व मुस्लिम के एक साथ मिल कर अंग्रेजों से लड़ने का गीत था। इस गीत और वंदे मातरम के नारे के साथ तो 1905 के बंग विभाजन का विरोध किया गया था और अंग्रेजों को बंगाल के बंटवारे का फैसला टालने के लिए विवश किया गया था। फिर यह कैसे सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने या किसी की भावना आहत करने वाला गीत हो सकता है?

सबसे पहले इस गीत से मोहम्मद अली जिन्ना की भावना आहत हुई थी। वैसे उनकी भावना आहत होना भी एक राजनीतिक मसला था, जो उनकी महत्वाकांक्षा से जुड़ा था। उन्होंने मुस्लिम आवाम को कांग्रेस से दूर करने के लिए यह मुद्दा उठाया और उस समय कांग्रेस नेतृत्व ने आजादी की लड़ाई के व्यापक संदर्भ को देखते हुए यह समझौता किया कि वंदे मातरम के सिर्फ दो ही अंतरे गाए जाएंगे। तभी 1937 के कलकत्ता अधिवेशन में पहली बार सिर्फ दो अंतरे गाए गए। हालांकि उसके बाद भी कांग्रेस मुस्लिम लीग को संतुष्ट नहीं कर पाई। इसका कारण यह था कि कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं को इस गीत के दो या चार अंतरे से समस्या नहीं थी। उनको वंदे मातरम के दो शब्दों से आपत्ति थी। उन्होंने अपने धार्मिक विश्वास को राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति का माध्यम बनाया और उसके बाद देश में क्या हुआ यह सब जानते हैं।

अगर कांग्रेस के इस तर्क को मान भी लें कि 1937 में महात्मा गांधी और दूसरे महान नेताओं ने जो वंदे मातरम गाया वही कांग्रेस गाएगी तब भी यह सवाल तो है कि क्या कांग्रेस अब भी मान रही है कि देश के हालात 1937 जैसे हैं? क्या कांग्रेस मान रही है कि नागरिकों का एक समूह देश के राष्ट्रगीत का सम्मान नहीं करना चाहता है तो उसकी मांग के आगे झुक जाया जाए? यह बहुत साफ दिख रहा है कि कांग्रेस अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के चलते न सिर्फ राष्ट्रगीत का अपमान कर रही है, बल्कि कानून और संविधान का भी उल्लंघन कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने संसद के मानसून सत्र में विधेयक पारित करके जो कानून बनाया है उसमें बहुत लचीलापन है। उसमें किसी को बाध्य नहीं किया जा रहा है कि वह पूरा वंदे मातरम गाए। राजकीय समारोहों में से पूरा बजाए जाने का प्रावधान किया गया है और नागरिकों से सिर्फ यह उम्मीद की जा रही है कि जब भी वंदे मातरम गाया या बजाया जाए तो वह उसका सम्मान करे। उससे सिर्फ यह उम्मीद की जाती है कि वह वंदे मातरम का अपमान नहीं करे, उसके गायन में बाधा नहीं उत्पन्न करे और इसे रोकने का प्रयास न करे। अगर उसे गीत याद नहीं है तब भी उससे सिर्फ सम्मान की उम्मीद की जा रही है।

असल में देश की मुस्लिम आबादी का एक बड़ा हिस्सा है अपनी संवैधानिक पहचान से ऊपर धार्मिक पहचान को रखना चाहता है। यह देश की एकता व अखंडता के लिए एक चिंताजनक विचार है। भारत का संविधान सबको धार्मिक आजादी देता है। लेकिन हर नागरिक की पहली पहचान भारतीय होने की है, जो संविधान से व्याख्यायित है। उससे ऊपर कोई पहचान नहीं हो सकती है। यह बात देश की मुख्य विपक्षी पार्टी को समझने की जरुरत है। नागरिक की संवैधानिक पहचान सबसे ऊपर है और अगर देश की संसद ने कानून बना कर वंदे मातरम का गायन अनिवार्य किया है और उसके सम्मान के कुछ नियम बनाए हैं तो उनका पालन किया जाना चाहिए।

कांग्रेस हो या वामपंथी हर मायने में लाचार

हरिशंकर व्यास

यों कांग्रेस ही नहीं स्वतंत्र भारत ही एक श्राप का मारा है। इस श्राप का नाम है लेफ्ट, खासकर कम्युनिस्ट। इसने भारत की मूल सनातनी धर्म-पद्धति, सभ्यता और उसकी सहज सामाजिक चेतना को दीमक की तरह गलाया है। कैसे? याद करें तिलक-गोखले-गांधी की कांग्रेस को। स्वतंत्रता के समय वह राम का नाम लेती थी। कांग्रेस रामराज्य, गीता, प्रार्थना, सत्य, अहिंसा, सर्वधर्म समभाव जैसे सभ्यतागत प्रतीकों की प्रतीक थी। यानी गांधी और कांग्रेसजन भारतीय समाज की जीवित वास्तविकता—धर्म—में जीते थे। उसी के नैतिक बल से देश बनना था। गांधी की शब्दावली का अर्थ था—मैं अपनी हिंदू सभ्यता और आस्था में खड़ा होकर दूसरे धर्म का बराबर सम्मान करता हूं।

ठिक ऐसे ही दूसरे छोर पर सावरकर और मदनमोहन मालवीय थे। इन दोनों के आईडिया में हल्का अंतर था। सावरकर ने राजनीतिक हिंदुत्व का विचार दिया। इसका कोर था-धर्मशास्त्रों की प्रामाणिकता की जगह बुद्धिवाद और विज्ञान पर जोर। छुआछूत और जातिभेद मिटाने की दृढ़ता। उनके हिंदुत्व में पितृभूमि-पुण्यभूमि (जैसे की योरोपीय देशों में भी फ़ादरलैंड) से राष्ट्रीयता की परिभाषा थी। वही मालवीय नैतिक-सांस्कृतिक पुनरुत्थान और आधुनिकता के संतुलन का सुधारवादी सनातनी विचार लिए हुए थे। सावरकर के लिए गाय उपयोगी पशु थी, मालवीय के लिए पूज्य।

जाहिर है गांधी, सावरकर और मालवीय—तीनों के भारत में वह था जो आज के मोदी-शाह और संघ परिवार के राम-नाम वाले कथित हिंदू राष्ट्र में कतई नहीं है। सवाल है ऐसा कैसे हुआ? कैसे यह नौबत की हिंदुओं के मूल सनातन सत्य, धर्म, बुद्धिवाद-विज्ञान, सर्वधर्म समभाव की जगह झूठ, अंधविश्वास, अनैतिक राजनीति, जातिय-धर्म कलह के जाहिल कथित हिंदू राष्ट्र में आमजन सांस ले रहा है? मेरा दो टूक जवाब है—लेफ्ट ने पहले भारत की सभ्यतागत राजनीति को असहज और संदिग्ध बनाया। फिर उसी से, अंतत: प्रतिक्रिया में संघ-भाजपा का हिंदू, राम पर एकाधिकार बना।

मतलब कम्युनिस्ट- वामपंथी के प्रभाव में कांग्रेस (नेहरू से शुरू) की सेकुलर अतिशयता बनी। धर्मनिरपेक्षता का वह बेसुरा राग बना जिसने लोकमानस में जहर घोला। हिंदू बनाम मुस्लिम, पहचान की राजनीति, जातिवाद वोट की आवश्यकता बनी और बनाई। इसकी अतिशयता ने हिंदुओं को लाठीधारी संघ की ओर धकेला। और फिर संघ तथा नरेंद्र मोदी-अमित शाह-योगी की अतिशयता ने हिंदूओं को ऐसा अचेतन, कुंभकर्णी बनाया जो यह भी सुध नहीं कि मनुष्य धर्म की सर्वाधिक प्राचीन सभ्यता-संस्कृति में सत्यमेव जयते क्या था? सर्वधर्म समभाव क्या था और वह क्या था जिसके अजूबे में इकबाल ने भी लिखा था सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तां हमारा मेरा मानना है कि इस सबके लिए जिम्मेवार देशी कम्युनिस्ट और वामपंथ है। भारत में वामपंथियों ने न केवल गांधी, उनके राम, और रामराज्य को नकारा बल्कि हर बात के लिए उस सनातनी जनमानस की बखिया उधेड़ी जो एक तरह से उसकी सभ्यता- संस्कृति-आस्था पर जूता मारना था। सोचे, जब सभ्यता-देश विशेष के मूलवासियों, बहुसंख्यको को ही यदि सांप्रदायिक करार दिया जाए, सरकार उसकी माईबाप बने और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) में 'संसाधनों पर पहला हक़ मुसलमानों' जैसे वाक्य बोले तो इन सबकी अतिशयता का कुल जमा प्रभाव लोकमानस में क्या बनेगा? तब यह सोचना ही बेवकूफी है कि हिंदुस्तां के हिंदु अपने आपको असुरक्षित न माने। घर-घर मुसलमानों की चिंता न बैठ जाए। तभी कोई न माने इस बात को लेकिन मेरा मानना है कि 1947 के पहले हजार साला गुलामी के इतिहास में भी सनातनी मानस इतना डरा हुआ, असुरक्षित अपने को नहीं समझता रहा होगा जितना आज है, स्वतंत्र भारत में हो गया है!

यह संघ प्रोपेगेंडा की वजह से नहीं है बल्कि उस कांग्रेस की वजह से है जिसने 1947 से पहले निडरता, सर्व-धर्म समभाव का आत्मविश्वास दिखाया था। एओ ह्यूम की बनाई कांग्रेस में ढेरों कमियां थी लेकिन तिलक, जिन्ना, गोखले, मोतीलाल नेहरू, गांधी, सुभाष बोस, सरदार पटेल, नेहरू, डा राजेंद्रप्रसाद, मौलाना आजाद मोटामोटी आत्मविश्वासी, निर्भयी, सर्वधर्म समभाव के सनातनी भाव में लोगों को जोडने वाले थे। कांग्रेस ने ज्यादा ही आत्मविश्वास दिखाया था इसलिए 1937 के बाद विभाजन की और जिन्ना व मुसलमान बढ़े। उसका आधार क्या था? उस साझा आत्मविश्वास का आधार धर्मों-जातियों का वह अनुभव था जिसमें जिसमें लाटसाहब जैसे अंग्रेज समाज में अब्दुला की शादी में बेगाने थे।

पूरा विषय विशाल है। कई पुस्तके लिखी जा सकती है। बुनियादी बात 1947 के बाद भारत की अपनी सीमा में आम हिंदू मनोभावों का सफर है। 1947 से 2026 की हिंदुओं की मोटामोटी पांच-छह पीढियों का अनुभव है। वह बहुत खराब रहा। तभी चौदह प्रधानमंत्री, चौदह सरकारों के निचोड़ में सनातनी, धर्म-जीवन पद्धति अब उस हिंदू में कनवर्ट में है जिसकी मुख्य चिंता मुसलमान है।

उसी से भय, असुरक्षा तथा पराश्रय है। और यह नरेंद्र मोदी-अमित शाह-योगी आदित्यनाथ, संघ की वह राजनैतिक ताकत है जिससे आगे कांग्रेस हो या वामपंथी या क्षेत्रिय दल सभी हर मायने में लगातार लाचार है। कैसे इतनी लाचारगी? सोचे, कॉकरोच, जंतरमंतर आंदोलन, जनरेशन जेड की इस्टाग्राम-सोशल मीडिया पर प्रभुता के आम मायने क्या है? मोटामोटी नरेंद्र मोदी-अमित शाह, योगी, भाजपा- संघ की हवा बिगड़ने की वास्तविकताएं। मगर पहली बात, क्या ये राहुल गांधी, अखिलेश या प्रशांत किशोर, तेजस्वी यादव आदि की बदौलत है? कतई नहीं।

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कारोबार से रिलेटेड कुछ परिवर्तन कर सकते हैं, जो आपको लॉन्ग टर्म में बेनिफिट देंगे। आज आप परिवार के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे और कुछ समय बिताएंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आप ऑफिस में नए प्रोजेक्ट को लेकर स्टाफ के साथ डिस्कशन कर सकते हैं, जिससे आपको बेहतरीन सुझाव मिलेंगे। आज आप कोर्ट-कचहरी के मामलों में अपने दोस्त से मदद ले सकते हैं, जिससे सब जल्द ही सुलझ जाएगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आप पेंडिंग कार्यों को पूरा करने के साथ-साथ नए टारगेट भी बना लेंगे। आज आप दूसरों से उम्मीद करने के बजाय अपनी मेहनत और क्षमता पर विश्वास रखेंगे, तो काम सुचारू रूप से बनते जाएंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका आत्मविश्वास बरकरार रहेगा, जिसकी वजह से आपके अधिकतर काम निपट जाएंगे। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा और आप अपने सपनों को पूरा करने में सफल रहेंगे। आज घर में शुभ समाचार मिलने की संभावना है, आपको दांपत्य जीवन का सुख मिलेगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए खुशी से भरा रहेगा। आज आप पिता के साथ कारोबार में हाथ बटाएंगे, जिससे उन्हें बेहद खुशी मिलेगी। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे, जिससे आपका सामाजिक दायरा और सम्मान बढ़ेगा।

कन्या राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज अपने बिजनेस को बढ़ाने को लेकर किसी एक्सपर्ट की राय लेना आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे, जिससे आपकी सामाजिक छवि अच्छी बनेगी। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिनका लाभ उठाकर आप जीवन में आगे बढ़ सकते हैं।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक बना रहेगा। आज आप बिजनेस में अच्छा धन लाभ कमाएंगे और आपके व्यावसायिक रिश्ते मजबूत बनेंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा और संतान पक्ष से खुशखबरी मिलने की संभावना है। आज आपके द्वारा लिए गए निर्णय सकारात्मक और फायदेमंद रहेंगे।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना है, आपके काम से बॉस बहुत खुश होंगे। आज आप बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताएं। आज कोई भी पेपर वर्क करते समय पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें, यह आपके लिए बेहतर होगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज इस राशि के टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े व्यक्तियों के लिए लाभ का दिन है, आपको बड़े ऑर्डर मिल सकते हैं। आज प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं में थोड़ी भागदौड़ के उपरांत काम बन जाएगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक बना रहेगा। आज आप अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव कर सकते हैं, जिससे आपका काम ज्यादा प्रभावी और बेहतर आउटपुट देने वाला होगा।

कुंभ राशि: आज का दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज आप बिजनेस में बड़ा लाभ कमाएंगे और आपके व्यापार की ग्रोथ बढ़ेगी। आज कुछ समय व्यावहारिक और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ व्यतीत करने से आपके स्वभाव में पॉजिटिव बदलाव आएगा।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहेगा। आज आपको नौकरी के लिए किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ऑफर आ सकता है, जिससे आपकी तरक्की की राह आसान हो जाएगी। आज आप कुछ समय एकांत अथवा आध्यात्मिक स्थल पर जरूर व्यतीत करें, इससे आपका मन शांत होगा।

शब्दों पर पहरा नहीं, फिर भी आवाज़ें कम क्यों होती जा रही हैं?

[सवाल वही है—आवाज़ किसकी और फैसला किसका?]

[सेंसरशिप का नया शिष्टाचार: रोकिए मत, बस दिखाई मत दीजिए]

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

आपने सच लिखा, किसी ने झूठ नहीं कहा—बस आपकी आवाज को रास्ते से हटा दिया। यही डिजिटल दौर की नई विडंबना है। मेटा के फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अभिव्यक्ति का मंच खुला है, लेकिन आपकी बात कितनी दूर जाएगी, यह 'कम्युनिटी स्टैंडर्ड' तय कर सकता है। सरकार की नीति पर सवाल, किसी फैसले की आलोचना या व्यवस्था की कमी सामने रखते ही पोस्ट हट सकती है, पहुंच घट सकती है और अकाउंट प्रतिबंधित हो सकता है। फिर एक संदेश आता है—'आपकी सामग्री हमारे नियमों के विरुद्ध है।' मगर नियम किसने बनाए, किस आधार पर लागू हुए और फैसला किसने सुनाया—इसका जवाब देने वाला कोई दिखाई नहीं देता। डिजिटल दरबार में अभिव्यक्ति की आज़ादी का फैसला किसके हाथ में है? अगस्त 2026 में पत्रकारों, राजनेताओं, स्वतंत्र टिप्पणीकारों और कुछ राजनीतिक संगठनों के पोस्ट व अकाउंट्स पर कार्रवाई ने गंभीर सवाल खड़े किए। मुद्दा पोस्ट हटने का नहीं, पारदर्शिता का है। नागरिक को पता होना चाहिए कि उसकी अभिव्यक्ति किस नियम की किस धारा से टकराई। मगर यहाँ फैसला पहले आता है, कारण बाद में भी आए तो कृपा समझिए। निर्णय स्वचालित प्रणाली, स्थानीय टीम या कानूनी अनुरोधों के दबाव में हुआ—स्पष्ट नहीं। आईटी नियमों और सरकारी अनुरोधों का जिक्र है, फिर भी पारदर्शिता कम है। मेटा के डेटा के अनुसार भारत में नफरत वाली सामग्री पर प्रोएक्टिव कार्रवाई वैश्विक औसत से कम रही है। सवाल है—एल्गोरिदम अंधा है या उसकी आँखों पर सुविधा का चश्मा है? पहले सेंसरशिप सामने थी, अब स्क्रीन के पीछे है। किताब जब्त होती थी, अखबार रोका जाता था, छपाई पर पहरा होता था। विरोध करने वाला जानता था कि सामने कौन है। डिजिटल युग में सेंसरशिप अभिवादन करके आती है। पोस्ट रहती है, पर पहुँच गायब हो जाती है। अकाउंट चलता है, पर लोग देख नहीं पाते। लेखक लिखता रहता है और इंटरनेट को व्यस्त समझता है। इसे 'शैडोबैन', 'रिस्ट्रिक्शन' या तकनीकी नाम दें; नतीजा एक है—आवाज मौजूद होकर भी सार्वजनिक नहीं रहती। यह उस लेखक जैसा है जिसकी किताब छपे, पर सारी प्रतियाँ गोदाम में बंद रहें। आपको बोलने दिया जाता है, बस आपकी बात सुनाई नहीं देती।वैश्विक नियमों की असली परीक्षा अलग-अलग देशों में होती है। मेटा की नीतियां वैश्विक हैं, पर 'समान न्याय' का सवाल बना रहता है। अलग राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियों में इनका लागू होना एक जैसा नहीं। अमेरिका में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भारत में सरकार, समाज व कानून के दबाव की वास्तविकता अलग है। भारत के आईटी नियम प्लेटफॉर्म पर दबाव डाल सकते हैं, सरकार वैधानिक शक्ति इस्तेमाल कर सकती है और प्लेटफॉर्म कारोबारी हित व नियामकीय जोखिम देखता है। सबसे कमजोर नागरिक है—न मंत्रालय, न अरबों डॉलर की कंपनी, न एल्गोरिदम की चाबी। उसके पास केवल एक पोस्ट है—कभी-कभी वह भी नहीं बचती।मंच वही सार्थक है, जहाँ हर आवाज को जगह मिले। मेटा स्वयं को अभिव्यक्ति का मंच कहता है। मंच पर सहमति और असहमति—दोनों सुनाई देनी चाहिए। लेकिन जब मंच का मालिक तय करने लगे कि कौन-सी आलोचना स्वीकार्य है और कौन-सी नहीं, तो वह संपादक, निर्णायक और प्रहरी—तीनों बन जाता है। 'हेट स्पीच' और 'गलत सूचना' रोकना जरूरी है; हिंसा और घृणा को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं कहा जा सकता। लेकिन सत्ता की आलोचना को उसी श्रेणी में रखना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। कसौटी यही है कि नियम सत्ता समर्थक और सत्ता विरोधी—दोनों पर समान लागू हों। यदि तराजू हर बार दबाव की ओर झुके, तो न्याय की परिभाषा बदल देना सबसे आसान रास्ता है।सेंसरशिप की सबसे बड़ी जीत पोस्ट हटाना नहीं, लिखने से पहले हाथ रोक देना है। जब पत्रकार को सवाल पूछने पर अकाउंट बंद होने का डर हो, टिप्पणीकार को तीखी बात लिखना डिजिटल आत्महत्या लगे और नागरिक को पहुँच घटने का भय हो, तब सेंसरशिप सफल है। फिर सेंसर को कुछ करने की जरूरत नहीं; नागरिक अपने भीतर ही सेंसर बिठा लेता है। यही आत्म-सेंसरशिप लोकतंत्र को भीतर से खोखला करती है। लोग वही लिखते हैं जो सुरक्षित है, वही कहते हैं जो स्वीकार्य है और धीरे-धीरे सार्वजनिक बहस में असहमति की जगह प्रशंसा का शोर भर जाता है। चुप समाज बाहर से शांत, भीतर से लोकतांत्रिक रूप से बीमार होता है।

निजी स्वामित्व अधिकार देता है, जवाबदेही से छूट नहीं। मेटा निजी कंपनी है, इसलिए सामग्री हटाने का अधिकार रखती है—लेकिन यह आधा सच है। जब करोड़ों नागरिकों की बातचीत निजी प्लेटफॉर्मों पर निर्भर हो, तो उनकी सामाजिक जिम्मेदारी भी बढ़ती है। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नागरिक को दी है, एल्गोरिदम को नहीं। इसलिए पारदर्शिता, निष्पक्ष अपील और स्वतंत्र निगरानी जरूरी है। हर कार्रवाई का कारण बताया जाए, प्रभावी अपील मिले और जांच हो कि नियम सभी पर समान लागू हैं या नहीं। अदालतों और नियामकों को डिजिटल सत्ता समझनी होगी, क्योंकि न्याय पीछे रहा तो कई आवाजें फैसला आने से पहले ही इतिहास बन जाएंगी।

K K

राष्ट्रीय समाचार

रविवार,13 सितम्बर 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

11 हजार की सैलरी, 5 मकान और अपना पर्सनल ड्राइवर, PNB के 17 करोड़ के जाली नोट कांड में लोडर के ठाठ देख NIA भी हैरान

सहारनपुर (ए.)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक (PNB) के करेंसी चेस्ट से 17.29 करोड़ के जाली नोट मिलने के मामले में सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) और पुलिस की पड़ताल में अब बैंक का एक संविदा कर्मचारी केंद्र में आ गया है, जो महज 11,000 प्रति माह की सैलरी पर ड्राइवर-लोडर का काम करता था। जांच एजेंसियों का दावा है कि करेंसी चेस्ट के निलंबित मैनेजर अमित कुमार और इस संविदा कर्मचारी के गठजोड़ से ही असली भारतीय करेंसी को नकली नोटों से बदला गया। मुख्य आरोपी मैनेजर को एनआईए चंडीगढ़ से पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जांच के दौरान संविदा कर्मचारी की आय और उसकी बेहिसाब दौलत देखकर अधिकारी दंग रह गए। शुरुआती जांच में सामने आया है कि 11,000 महीना कमाने वाला यह लोडर 5 मकानों, एक लग्जरी SUV, एक सेडान कार और दो बाइकों का मालिक है। इतना ही नहीं, वह खुद गाड़ी चलाने के बजाय 500 रोजाना की दिहाड़ी पर अपना निजी ड्राइवर रखता था। पुलिस और एनआईए की टीम ने उसके जनकपुरी/मानकमऊ स्थित ठिकानों पर छापेमारी कर जमीन-जायदाद के दस्तावेज, बैंक खातों की पासबुक और लग्जरी गाड़ियों के कागजात जब्त किए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के कड़े नियमों के तहत बैंक का करेंसी चेस्ट अति-संवेदनशील क्षेत्र होता है, जहां सामान्य कर्मचारियों की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहती है। कागजों में आरोपी का काम केवल कैश वैन चलाना और नोटों के बक्सों की लोडिंग-अनलोडिंग करना था।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर गिरा मलबा-पत्थर, चीरबासा के पास रास्ता अवरुद्ध; सोनप्रयाग-गौरीकुंड में रोकी गई यात्रा

रुद्रप्रयाग (ए.)। केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा हैलीपैड के समीप शनिवार सुबह मलबा और पत्थर आने से मार्ग एक बार फिर अवरुद्ध हो गया। गत रात हुई बारिश के कारण पहाड़ी से

मलबा और पत्थर रास्ते पर आ गए, जिससे केदारनाथ धाम जाने वाले यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हुई है। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह दूरभाष के माध्यम से जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को मार्ग अवरुद्ध होने की सूचना मिली। इसके बाद केंद्र की ओर से डीडीएमए गुप्तकाशी के जेई को इसकी जानकारी दी गई। जेई ने बताया कि क्षेत्र में फिलहाल बारिश जारी है। मौसम सामान्य होने के बाद मार्ग से मलबा और पत्थर हटाने का कार्य शुरू किया जाएगा।सुरक्षा के दृष्टिगत प्रशासन ने केदारनाथ धाम जाने वाले यात्रियों को फिलहाल सोनप्रयाग और गौरीकुंड में रोक दिया है। मार्ग सुचारु होने के बाद ही यात्रियों को आगे भेजा जाएगा। प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे मौसम और पैदल मार्ग की स्थिति को देखते हुए धैर्य बनाए रखें तथा प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करते हुए सहयोग करें।

अब चार तरह से कचरे का बंटवारा जरूरी, नहीं मानने पर लगेगा जुर्माना

चेन्नई (ए.)। ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन (जीसीसी) ने शहर भर में कचरे को उसके स्रोत पर ही अलग-अलग करना अनिवार्य कर दिया है। इसका मकसद कचरा प्रबंधन को मजबूत करना और

लैंडफिल तक पहुंचने वाले कचरे की मात्रा को कम करना है। यह नियम सभी पर लागू होगा, जिसमें निजी घर, अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स, दुकानें, कमर्शियल संस्थान, स्कूल-कॉलेज, सरकारी दफ्तर और बड़ी मात्रा में कचरा पैदा करने वाले संस्थान शामिल हैं। निगम ने चेतावनी दी है कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2026 का पालन न करने पर जुर्माना और नगरपालिका कानूनों के तहत कार्रवाई हो सकती है।निवासियों और संस्थानों को कचरा कलेक्शन के लिए आने वाले सफाई कर्मचारियों को सौंपने से पहले उसे चार कैटेगरी में बांटना होगा।गीला कचरा के लिए हरा डिब्बा, कागज, प्लास्टिक, धातु, कांच और अन्य रिसाइकिल होने वाला सूखा कचरा के लिए नीला डिब्बा का इस्तेमाल करना होगा।लाल डिब्बा में सैनिटरी कचरा, जिसमें इस्तेमाल किए हुए डायपर और सैनिटरी नैपकिन शामिल हैं, इसे सुरक्षित तरीके से लपेटकर डालना होगा।घरेलू खतरनाक कचरा, जैसे बैटरी, बिजली के बल्ब, इलेक्ट्रॉनिक कचरा, एक्सपायर्ड दवाएं और केमिकल के लिए काला डिब्बा का इस्तेमाल करना होगा। अलग किए गए कचरे को ले जाने के दौरान डोर-टू-डोर कलेक्शन में इस्तेमाल होने वाले बैटरी वाले वाहनों में भी चार रंगों के कंटेनर लगाए गए हैं। सभी 200 वार्डों के सफाई कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि वे केवल वही कचरा लें जो स्रोत पर सही तरीके से अलग किया गया हो। यह आदेश दक्षिणी चेन्नई में शुरू की गई एक बड़ी जागरूकता पहल के बाद आया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आबू धाबी के क्राउन प्रिंस से की मुलाकात, भारत-यूएई संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा

नई दिल्ली,,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर आबू धाबी के क्राउन प्रिंस महामहिम शेख खालिद बिन मोहम्मद से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की।

बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी के महत्व को दोहराया। यह साझेदारी मजबूत राजनीतिक, सांस्कृतिक, वाणिज्यिक और ऊर्जा संबंधों के साथ-साथ दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क पर आधारित है। दोनों नेताओं ने जनवरी 2026 में यूएई के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की भारत यात्रा तथा मई 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा को भी याद किया।

ब्रिक्स में यूएई की भूमिका की सराहना

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स में यूएई की सक्रिय और रचनात्मक भागीदारी की सराहना की। दोनों नेताओं ने भारत की अध्यक्षता के दौरान ब्रिक्स के तहत हुए सकारात्मक परिणामों का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर सहमति जताई कि दोनों देश साझा हितों और

प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने तथा ब्रिक्स सहयोग को और मजबूत करने के लिए इस मंच के माध्यम से मिलकर काम करते रहेंगे।

बैठक में दोनों नेताओं ने भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय संबंधों में विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति को भी रेखांकित किया। उन्होंने यूएई की इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी द्वारा ओडिशा में 11.5 अरब अमेरिकी डॉलर की एकीकृत ग्रीनफील्ड एल्युमिनियम परियोजना के विकास में निवेश करने की घोषणा का सकारात्मक स्वागत किया।यह भारत के एल्युमिनियम क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा एकीकृत निवेश बताया गया है। इस परियोजना से ओडिशा को वैश्विक एल्युमिनियम विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

दोनों नेताओं ने माना कि यूएई के नवीनतम संप्रभु निवेश कोष के रूप में लइमाद भारत-यूएई साझेदारी को पारस्परिक लाभ के लिए और गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके अलावा दोनों पक्षों ने रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहित रणनीतिक तथा उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने नियमित उच्च-स्तरीय संपर्क की परंपरा और पीढ़ीगत निरंतरता की भी पुनर्पुष्टि की। दोनों पक्षों ने माना कि यह निरंतर उच्चस्तरीय संवाद भारत और यूएई के बीच लंबे समय से चले आ रहे और मजबूत संबंधों का महत्वपूर्ण आधार है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बोधगया में महाबोधि महाविहार के प्रबंधन से जुड़े महाबोधि महाविहार मंदिर अधिनियम, 1949 में संशोधन की मांगों पर चर्चा करने के लिए बौद्ध भिक्षुओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले से मुलाकात की।

शादीशुदा प्रेमिका से मिलने पहुंचा था प्रेमी, परिजनों ने रस्सियों से उल्टा बांधकर पीटा

सहारनपुर(ए.)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में विवाहिता से मिलने उसके घर पहुंचे एक युवक के साथ कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला के परिजनों ने युवक को पकड़कर रस्सियों से बांधा और उल्टा लटकाकर उसकी पिटाई की। घटना का वीडियो करीब 10 दिन बाद सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, मिर्जापुर थाना क्षेत्र के मिर्जापुर पोल गांव का रहने वाला एक युवक रात करीब 11:30 बजे पड़ोसी गांव में रहने वाली एक विवाहिता से मिलने उसके घर पहुंचा था। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच काफी समय से प्रेम संबंध था और महिला के परिजनों को भी इसकी जानकारी थी। युवक के घर पहुंचने की भनक लगते ही परिजनों ने उसे पकड़ लिया।आरोप है कि इसके बाद युवक को रस्सियों से बांधकर उल्टा लटका दिया गया और उसके साथ मारपीट की गई। बाद में उसे रस्सियों के सहारे लकड़ी की बल्ली से बांध दिया गया। इस दौरान मौके पर काफी लोग जमा हो गए और किसी व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया।

पुलिस ने पहले की थी शांतिभंग की कार्रवाई

घटना की सूचना मिलने पर सुबह मिर्जापुर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को थाने ले गई। पुलिस के मुताबिक, उस समय दोनों पक्षों के बीच थाने के बाहर ही समझौता हो गया था और किसी पक्ष ने लिखित शिकायत नहीं दी थी। इसके बाद युवक के खिलाफ शांतिभंग की धाराओं में कार्रवाई की गई थी।

30 की उम्र में क्यों रिटायर हुए राष्ट्रपति के ADC? मेजर ऋषभ सांब्याल ने शादी की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (ए.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ साये की तरह मुस्तैद दिखने वाले उनके एडीसी मेजर ऋषभ सिंह सांब्याल ने महज 30 साल की उम्र में सेना से अचानक रिटायरमेंट लेकर

सबको चौंका दिया था। हर कोई यह जानना चाह रहा था कि करियर के इतने अहम मुकाम पर उन्होंने यह बड़ा फैसला क्यों लिया। अब खुद मेजर ऋषभ ने एक पॉडकास्ट में खुलकर अपनी दिल की बात रखी है और उन कारणों का खुलासा किया है, जिसके चलते उन्हें अपनी प्यारी वर्दी को अलविदा कहना पड़ा।

'सपना वर्दी का था, लेकिन परिवार को चुना'

मेजर ऋषभ सांब्याल ने बताया कि भारतीय सेना की वर्दी पहनना उनके जीवन का सबसे बड़ा सपना था, जिसे पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी जिंदगी के 10 साल समर्पित कर दिए थे। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह इस तरह सेवा छोड़ेंगे। लेकिन जीवन के एक मोड़ पर वह ऐसे दोराहे पर आ खड़े हुए, जहां एक तरफ उनका सपना और करियर था, तो दूसरी तरफ बुजुर्ग माता-पिता के प्रति उनकी पारिवारिक जिम्मेदारियां। काफी सोच-विचार और परिवार के साथ लंबी बातचीत के बाद उन्होंने अपने करियर के बजाय माता-पिता की देखभाल को प्राथमिकता दी और रिटायरमेंट का कठिन फैसला लिया।

ब्रिक्स देशों ने नई दिल्ली घोषणा को सर्वसम्मति से दी मंजूरी, पीएम मोदी ने जारी किए 2 डाक टिकट

झनई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली घोषणा को अपनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसे सर्वसम्मति से मंजूर कर दिया गया। इसके साथ ही पीएम ने समूह की स्थापना के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर दो डाक टिकट जारी किए। नई दिल्ली घोषणा का प्रस्ताव रखते हुए पीएम मोदी ने कहा, किसी भी सदस्य ने कोई आपत्ति नहीं जताई है। नई दिल्ली घोषणा-2026 को सर्वसम्मति से मंजूरी दी जाती है। समापन संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि हमने इस बात पर भी बल दिया कि फ्यूचर की टेक्नोलॉजी और उसकी जांच में ग्लोबल साउथ की हिस्सेदारी होनी चाहिए। निर्णयों और उनके परिणामों के बीच जो दूरी बनी हुई है, उसमें राजभवन और सामूहिक कार्रवाई से काम करना होगा। आज अपनाया गया नई दिल्ली घोषणापत्र साझा हमारे संकल्प को स्पष्ट दिशा देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देशों के विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन ब्रिक्स सहयोग के लिए काम करने की प्रतिबद्धता साफ है। बदलते विश्व को पुराने संस्थानों के भरोसे नहीं चलाया जा सकता। वैश्विक संस्थाओं में प्रतिनिधित्व, काम करने के तरीके और नियम बनाने की प्रक्रिया में सुधार जरूरी है। हमने भविष्य की तकनीक और निर्माण में ग्लोबल साउथ की भागीदारी होनी चाहिए। ब्रिक्स देशों को अपने निर्णयों और परिणामों के बीच की दूरी खत्म करने के लिए मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि आज अपनाई गई नई दिल्ली घोषणा ब्रिक्स के आगे बढ़ने की दिशा साफ करती है। अब इन फैसलों को जमीन पर उतारकर ठोस नतीजे देने की जिम्मेदारी सभी देशों की है। निर्णयों और परिणामों के बीच दूरी को दूर करने के लिए साझेदारी और जिम्मेदारी से काम करना होगा। हमारी जिम्मेदारी है कि इन निर्णयों को परिणामों में बदलें।

बैरियर फ्री टोलिंग की ओर बढ़ा भारत, नए नियमों की होगी शुरुआत, गडकरी ने बताया प्लान

नई दिल्ली(ए.)। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले वाहन चालकों को जल्द ही टोल प्लाजा पर रुकने की झंझट से मुक्ति मिल सकती है। केंद्र सरकार देश में पूरी तरह डिजिटल और बैरियर-फ्री टोलिंग व्यवस्था लागू करने की तैयारी में है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में कहा कि एआई आधारित नई टोलिंग प्रणाली फरवरी-मार्च 2027 तक लागू होने की उम्मीद है। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद वाहनों को टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं होगी। वाहन की नंबर प्लेट की स्वचालित पहचान और फास्टैग के माध्यम से टोल राशि अपने आप वसूल की जाएगी। इससे टोल प्लाजा पर लगने वाला इंतजार लगभग समाप्त हो जाएगा और हाईवे पर यातायात अधिक सुगम होगा।गडकरी ने कहा कि एआई और निर्बाध टोलिंग के माध्यम से भारत टोल प्लाजा पर रुकने की पुरानी व्यवस्था को समाप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भविष्य के राजमार्ग स्मार्ट, बाधा-मुक्त और पूरी तरह कैशलेस होंगे।

जिनपिंग के भारत दौरे से पहले बड़ा ऐलान, 6 साल बाद फिर शुरू होगी भारत-चीन के बीच सीधी उड़ान

बीजिंग/नई दिल्ली (ए.)। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के भारत दौरे से पहले भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। चाइना सदर्न एयरलाइंस ने छह साल बाद ग्वांगझू-नई दिल्ली के बीच नियमित यात्री उड़ानें फिर शुरू करने का ऐलान किया है। एयरलाइन के मुताबिक, 21 सितंबर से इस मार्ग पर नियमित उड़ान सेवा बहाल कर दी जाएगी।एयरलाइन ने बताया कि ग्वांगझू-नई दिल्ली सेवा की बहाली के बाद दक्षिण एशिया में उसके आठ राउंड-ट्रिप मार्गों पर कुल संचालन प्रति सप्ताह 100 से अधिक उड़ानों तक पहुंच जाएगा। ग्वांगझू और नई दिल्ली के बीच हवाई सेवा पिछले छह वर्षों से निलंबित थी।हाल के महीनों में भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क में लगातार सुधार देखने को मिला है। अप्रैल में एयर चाइना ने बीजिंग-दिल्ली सेवा दोबारा शुरू की थी। वहीं, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने 18 अप्रैल को कुनमिंग-कोलकाता के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू की थीं।भारतीय विमानन कंपनी इंडिगो ने भी 30 मार्च से कोलकाता-शंघाई के बीच दैनिक नॉन-स्टॉप उड़ान सेवा शुरू की थी। इससे पहले इंडिगो ने कोलकाता-ग्वांगझू सेवा बहाल की और बाद में दिल्ली से भी ग्वांगझू के लिए उड़ानें शुरू की थीं।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर शी चिनफिंग 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए शनिवार को बीजिंग से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। भारत पहुंचने के बाद शी चिनफिंग की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी प्रस्तावित है।चीनी राष्ट्रपति के प्रतिनिधिमंडल में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के राजनीतिक ब्यूरो की स्थायी समिति के सदस्य और सामान्य कार्यालय के निदेशक काई क्यूई तथा चीनी विदेश मंत्री वांग यी शामिल हैं।सिन्हुआ के मुताबिक, बिश्केक में हुए शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में रखे गए अपने विचारों को आगे बढ़ाते हुए शी चिनफिंग ब्रिक्स बैठक में ग्लोबल साउथ के देशों के बीच सहयोग को लेकर नए प्रस्ताव पेश कर सकते हैं।ब्रिक्स उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए व्यापार, वित्त, प्रौद्योगिकी, विकास और वैश्विक शासन जैसे मुद्दों पर समन्वय का प्रमुख मंच बन चुका है।

तड़के 4 बजे घर के आंगन में दिखा 8 फीट का विशालकाय मगरमच्छ, मची चीख-पुकार; 3 घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन

शाहजहांपुर (ए.)। बारिश के मौसम में नदियों के उफान पर आने से जलीय जीवों का रिहायशी बस्तियों की ओर रुख करने का सिलसिला जारी है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में शुक्रवार तड़के उस वक्त

भीषण दहशत फैल गई, जब एक ग्रामीण के घर के अंदर अचानक 8 फीट लंबा विशालकाय मगरमच्छ घुस आया। आंगन में रेंगते इतने बड़े मगरमच्छ को देखते ही परिजनों के होश उड़ गए और पूरे गांव में हड़कंप मच गया।

घटना तिलहर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव की है, जहां शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे रामपाल के परिजन जब जागे तो उन्होंने आंगन में एक भारी-भरकम मगरमच्छ को मौजूद पाया। खौफनाक मंजर देखते ही घर में चीख-पुकार मच गई। परिजनों का शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण लाठी-डंडे और टॉर्च लेकर तुरंत मौके पर दौड़ पड़े। अंधेरे में टॉर्च की रोशनी से मगरमच्छ की हर हरकत पर लगातार नजर रखी गई। गनीमत यह रही कि इस दौरान मगरमच्छ ने परिवार के किसी सदस्य पर हमला नहीं किया।ग्रामीणों ने बिना वक्त गंवाए घटना की सूचना स्थानीय पुलिस और वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम आवश्यक उपकरणों के साथ मौके पर पहुंच गई। मगरमच्छ का आकार काफी बड़ा और आक्रामक होने के कारण उसे काबू में करना आसान नहीं था। करीब 3 घंटे तक चले जोखिम भरे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान टीम ने सबसे पहले मगरमच्छ के मुंह पर कपड़ा डालकर उसकी आंखों को ढका, जिससे वह शांत हुआ।

पाकिस्तान में छिपा है हाफिज सईद'... NIA की दलील पर विशेष अदालत ने जारी किया दूसरा गैर-जमानती वारंट

जम्मू (ए.)। मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने शिकंजा और कस दिया है। जम्मू की विशेष एनआईए अदालत ने आतंकी हाफिज सईद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (NBW) जारी किया है। अदालत को दी गई जानकारी में जांच एजेंसी ने स्पष्ट किया कि हाफिज सईद इस समय पाकिस्तान में मौजूद है और जानबूझकर भारतीय कानून व गिरफ्तारी से बच रहा है। पिछले दो महीनों के भीतर यह दूसरा मौका है जब जम्मू की विशेष अदालत ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है।

पाकिस्तान में बैठकर कश्मीर में हथियार और पैसे भेजने का आरोप

एनआईए ने विशेष अदालत के समक्ष दलील पेश करते हुए बताया कि हाफिज सईद सीमा पार पाकिस्तान में सुरक्षित पनाह लिए हुए है और वहीं से कश्मीर घाटी में सक्रिय आतंकी संगठनों को निर्देश, आधुनिक हथियार और फंडिंग मुहैया करा रहा है। एजेंसी ने अदालत को बताया कि चूंकि वह सामान्य कानूनी प्रक्रियाओं और समन के जरिए अदालत में पेश नहीं हो सकता और गिरफ्तारी से बच रहा है, इसलिए उसकी मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए गैर-जमानती वारंट जारी किया जाना बेहद जरूरी है।

चीनी ग्रेनेड के साथ पकड़े गए आतंकी से खुला नेटवर्क

यह पूरा मामला कश्मीर में फैले लश्कर और उसके सहयोगी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (TRF) के आतंकी नेटवर्क की पड़ताल से जुड़ा है। इस नेटवर्क का खुलासा तब हुआ जब सुरक्षा बलों ने श्रीनगर के बाहरी इलाके पांडाच में नियमित चेकिंग के दौरान मोहम्मद नकीब भट को गिरफ्तार किया था। तलाशी के दौरान उसके पास से मेड-इन-चाइना ग्रेनेड और 15 जिंदा कारतूस बरामद हुए थे। नकीब के खिलाफ जकोरा थाने में यूएपीए (UAPA), आर्म्स एक्ट और विस्फोटक कानून के तहत मामला दर्ज कर जब जांच आगे बढ़ाई गई, तो दो पाकिस्तानी नागरिकों समेत कई आतंकियों को दबोचा गया। इन गिरफ्तार आतंकियों से पूछताछ में सीधे तौर पर हाफिज सईद की संलिप्तता के पुख्ता सुराग मिले।

कोर्ट ने माना फरार, दो महीने में दूसरी बार वारंट

मामले की सुनवाई करते हुए विशेष न्यायाधीश प्रेम सागर ने कहा कि जांच रिकॉर्ड से हाफिज सईद की आपराधिक भूमिका साफ नजर आती है और वह कानूनी प्रक्रिया से फरार चल रहा है। एजेंसी सामान्य प्रक्रिया से उसकी मौजूदगी अदालत में सुनिश्चित नहीं करा सकती, लिहाजा अदालत ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया।गौरतलब है कि इससे पहले 8 जुलाई को भी पहलगाम आतंकी हमले के सिलसिले में हाफिज सईद के खिलाफ एनआईए कोर्ट ने एनबीडब्ल्यू जारी किया था। अब आतंकी नेटवर्क और फंडिंग से जुड़े इस नए मामले में वारंट जारी होने के बाद भारत सरकार अंतरराष्ट्रीय मंचों और इंटरपोल के जरिए पाकिस्तान पर दबाव और तेज करने की तैयारी में है।

ब्रिक्स ने दुनिया को नई दिशा दी, ग्लोबल साउथ तेजी से उभरा : चीनी पत्रकार

नई दिल्ली (ए.)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इस मौके पर दुनिया से आए पत्रकारों और प्रतिनिधियों ने अपनी राय रखी।चीन के सरकारी अखबार पीपुल्स डेली के सीनियर पत्रकार रेन यान ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए बीजिंग से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं। मुझे लगता है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने भारत और चीन के नेताओं को मिलने और भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक अच्छा मंच प्रदान किया है।क्या ब्रिक्स वैश्विक व्यवस्था को बदलने में बड़ी भूमिका निभा सकता है, इस सवाल पर रेन यान ने कहा, मुझे लगता है कि 20 साल पहले विश्व व्यवस्था पर पश्चिमी शक्तियों का वर्चस्व था लेकिन ग्लोबल साउथ के एक सामूहिक संगठन के रूप में उभरने के साथ मुझे लगता है कि पिछले 20 साल में ग्लोबल साउथ तेजी से उभरा है और धीरे-धीरे पुरानी विश्व व्यवस्था को बदल दिया है। उन्होंने कहा, ब्रिक्स में कई महाद्वीपों के कई देश शामिल हैं। यह विविधता में एकता है, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे बीच मतभेदों या विवादों से ज्यादा समानताएं हैं। मुझे लगता है कि यह अच्छा है कि हमारा लक्ष्य 'विकास' ही हैं, क्योंकि हम विकासशील देश हैं। थिंक ब्रिक्स की ब्लॉगर अनास्तासिया गोल्याकोवा ने भारत-रूस संबंधों पर कहा, "दिल्ली में हमारी मेजबानी करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से यह पहली यात्रा है। हां, मैं शुरुआत से 2023 से ब्रिक्स एजेंडे को कवर कर रही हूं और यह मेरा पहला शिखर सम्मेलन नहीं है। मॉस्को में हमने भारत द्वारा रूस में आयोजित कई कार्यक्रमों में भाग लिया है।चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के ब्रिक्स में आने पर उन्होंने कहा, "कजान में, अगर आपको याद हो, तो मुख्य खबर प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हाथ मिलाना था। और वह नंबर एक खबर थी। इस साल, सच कहूं तो मुझे नहीं पता था कि क्या उम्मीद करनी है। लेकिन मुझे लगता है कि हम सभी को अधिक मैत्रीपूर्ण बातचीत, अधिक मैत्रीपूर्ण माहौल की उम्मीद है, और चलिए राजनीति के बारे में नहीं, बल्कि शांति के बारे में बात करते हैं।" अनास्तासिया गोल्याकोवा ने कहा, "अगर मैं गलत नहीं हूं, तो राष्ट्रपति शी जिनपिंग 2019 के बाद से भारत नहीं आए हैं। फिर भी दोनों नेता एक-दूसरे से मिलते रहे हैं। 2024 के बाद से, प्रधानमंत्री मोदी ने 2025 में बीजिंग का दौरा किया, और अब शी जिनपिंग दिल्ली आए हैं। तो, हम क्या कह सकते हैं? मुझे उम्मीद है कि भारत और चीन के बीच संबंध विकसित होंगे और दूसरे स्तर पर जाएंगे। टीवी ब्रिक्स अफ्रीका की मेलिसा हॉलो ने भारत यात्रा पर कहा, "नई दिल्ली का क्या विनम्र और सुंदर अनुभव है।

एआई, सोशल मीडिया और ड्रोन बने आतंकियों के नए हथियार, सुरक्षा रणनीतियों में बदलाव जरूरी : यूएनएससी

संयुक्त राष्ट्र (ए.)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए आतंकी हमले की 25वीं वर्षगांठ पर आतंकवाद से निपटने की रणनीतियों में बदलाव पर जोर दिया। यूएनएससी ने कहा कि आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ड्रोन और उपग्रह जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे आतंकियों से मुकाबले के लिए देशों को अपने सुरक्षा उपायों को आधुनिक बनाना होगा।सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से अपनाए गए एक प्रेस वक्तव्य में कहा, सुरक्षा परिषद आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है, जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। परिषद ने इस बात पर भी जोर दिया कि आतंकवादियों के खिलाफ रणनीतियों को भी उसी अनुरूप विकसित करना होगा।

आतंकवादी अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ड्रोन, उपग्रह, सोशल मीडिया और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए इनसे निपटने के लिए एक प्रभावी वैश्विक तंत्र विकसित करना आवश्यक है। फ्रांस की पहल पर आयोजित यह बैठक 2001 में अलकायदा द्वारा किए गए आतंकी हमलों की याद में बुलाई गई थी।

सऊदी अरब की लाइफलाइन पर बड़ा ड्रोन अटैक, ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन बंद, कहा जाता है होर्मुज का विकल्प

रियाद (ए.)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सऊदी अरब के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा ढांचे पर बड़ा हमला हुआ है। ड्रोन हमलों के बाद सऊदी अरब ने एहतियातन अपनी प्रमुख ईस्ट-वेस्ट ऑयल पाइपलाइन को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। यह पाइपलाइन सऊदी अरब के पूर्वी तेल क्षेत्रों से कच्चे तेल को लाल सागर के यानबू बंदरगाह तक ले जाती है। रणनीतिक रूप से यह इसलिए बेहद अहम है क्योंकि इसके जरिए सऊदी अरब होर्मुज जलडमरूमध्य को बाइपास करके अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक तेल की निर्बाध आपूर्ति करता है।

पंपिंग स्टेशनों को भारी नुकसान, इराक से ड्रोन आने का दावा

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इस समन्वित हमले में पाइपलाइन के रास्ते में पड़ने वाले कई प्रमुख पंपिंग स्टेशनों को नुकसान पहुंचा है। सैटेलाइट तस्वीरों में एक स्टेशन पर भीषण आग और दूसरे हिस्से से घना काला धुआं उठता साफ देखा गया है। सऊदी विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि ये ड्रोन इराक की दिशा से आए थे।

हमले में कुछ लोग घायल हुए हैं और बुनियादी ढांचे को आंशिक क्षति पहुंची है, जिसकी मरम्मत का काम युद्धस्तर पर जारी है। सऊदी अरब ने स्पष्ट किया है कि इराकी प्रधानमंत्री की अपील पर वह तुरंत जवाबी सैन्य कार्रवाई से बच रहा है, ताकि इराकी सरकार को अपनी सीमा से होने वाले आतंकी हमलों पर रोक लगाने का मौका मिल सके। इराक ने भी इस हमले की निंदा करते हुए उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।ईरानी गतिविधियों और हमलों के चलते होर्मुज स्ट्रेट से तेल टैंकरों की आवाजाही लगभग ठप पड़ी है। ऐसे नाजुक वक्त में ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन ही सऊदी तेल निर्यात का सबसे बड़ा सहारा बनी हुई थी। जून की शुरुआत तक इस पाइपलाइन के जरिए यानबू पोर्ट तक रोजाना 50 लाख बैरल से ज्यादा कच्चा तेल भेजा जा रहा था। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि पंपिंग स्टेशनों की तकनीकी मरम्मत संभव है, लेकिन वास्तविक नुकसान का आकलन अभी चल रहा है।

फीचर

फिट रहने के लिए रोजाना करें माइंडफुल स्क्वाट, जानिए इसे करने का तरीका

माइंडफुल स्क्वाट एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो न केवल आपके शरीर को मजबूत बनाती है, बल्कि मन को भी शांत रखती है। इस एक्सरसाइज को करने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और तनाव भी कम होता है। इसे सही तरीके से करने पर शरीर को पूरा फायदा मिलता है। आइए जानते हैं कि इस एक्सरसाइज को करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सही तरीके से खड़े होना जरूरी

माइंडफुल स्क्वाट करते समय सबसे पहले सही तरीके से खड़े होना बहुत जरूरी है।आपके पैर कंधों की चौड़ाई पर हों और हल्का झुकाव रखें। इससे आपका शरीर संतुलित रहेगा और आप एक्सरसाइज को सही तरीके से कर पाएंगे। यह भी ध्यान दें कि सिर सीधा रहे और आंखें सामने की ओर हों।इस स्थिति में खड़े होने से शरीर को सही संतुलन मिलता है और आप आसानी से स्क्वाट कर सकते हैं।

गहरी सांस लेना न भूलें

स्क्वाट शुरू करने से पहले गहरी सांस लेना बहुत जरूरी है। इससे शरीर में हवा का प्रवाह सही रहता है और ऊर्जा का स्तर बढ़ता है।

गहरी सांस लेने से मन भी शांत रहता है और आप एक्सरसाइज पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।सांस को गहराई से लें और धीरे-धीरे छोड़ें, ताकि आप एक्सरसाइज के दौरान आराम महसूस करें और थकावट जल्दी न हो।

धीरे-धीरे नीचे झुकें

स्क्वाट करते समय धीरे-धीरे नीचे झुकना बहुत जरूरी है ताकि मांसपेशियों पर सही दबाव पड़े।नीचे झुकते समय ध्यान रखें कि आपके घुटने और पैर एक सीध में रहें। इससे पीठ सीधी रहेगी और किसी भी तरह की परेशानी या चोट से बचा जा सकेगा।धीरे-धीरे झुकने से मांसपेशियां बेहतर तरीके से सक्रिय होती हैं और इसका असर ज्यादा असरदार होता है।

नीचे रुककर मांसपेशियों को सक्रिय करें

नीचे की स्थिति में कुछ पल रुकना माइंडफुल स्क्वाट का अहम हिस्सा है। इस दौरान मांसपेशियों पर दबाव बनता है और वे बेहतर तरीके से सक्रिय होती हैं।नीचे रुकते समय ध्यान रखें कि आपका शरीर स्थिर रहे और संतुलन बना रहे। यह अभ्यास आपकी ताकत को बढ़ाने और सहनशक्ति में सुधार करने में मदद करता है।

वापस ऊपर उठने का सही तरीका

स्क्वाट के दौरान नीचे झुकने के बाद, धीरे-धीरे ऊपर उठें और अपनी शुरुआती स्थिति में लौटें। ध्यान रखें कि ऊपर आते समय आपका शरीर सीधा और संतुलित रहे।इस प्रक्रिया को बार-बार करें ताकि मांसपेशियां मजबूत हों और आप बेहतर परिणाम पा सकें। माइंडफुल स्क्वाट एक आसान और असरदार तरीका है, जो शरीर को मजबूत बनाने और मन को शांति देने में मदद करता है।

शरवरी ने 'मैं वापस आऊंगा' के अनुभव को बताया खास, बोलीं- इम्तियाज अली के साथ काम करना बड़ी बात

मुंबई। अभिनेत्री शरवरी ने फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इस फिल्म की पूरी टीम के साथ काम करना उनके लिए बेहद सुखद और यादगार रहा। उन्होंने बताया कि फिल्म ने उन्हें एक अलग दौर और दुनिया में जाने का मौका दिया, जहां उन्होंने अपने अब तक के किरदारों से बिल्कुल अलग भूमिका निभाई।

शरवरी के लिए यह फिल्म इसलिए भी खास रही, क्योंकि इम्तियाज अली के साथ यह उनका पहला काम था। उन्होंने कहा कि इम्तियाज अली के साथ काम करने की इच्छा उनके मन में लंबे समय से थी और उनके निर्देशन में काम करने का अवसर मिलना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है।

शरवरी ने फिल्म के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उन्हें इस फिल्म पर काम करने में बहुत आनंद आया। इम्तियाज अली के साथ-साथ नीलम और संजय के साथ भी उन्होंने पहली बार काम किया। अभिनेत्री के मुताबिक, पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव बेहद अच्छा रहा, क्योंकि फिल्म की कहानी बहुत खूबसूरत थी।

उन्होंने बताया कि फिल्म के जरिए उन्हें ऐसी दुनिया में प्रवेश करने का मौका मिला, जहां लोगों के पहनावे से लेकर आसपास के वातावरण तक सब कुछ अलग था। इस नई दुनिया का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद दिलचस्प अनुभव रहा।

शरवरी ने कहा कि फिल्म में उनका किरदार उनके पहले निभाए गए किरदारों से काफी अलग था। उस दौर की जीवनशैली, पहनावे और वातावरण को समझते हुए किरदार में ढलना उनके लिए एक नया अनुभव रहा।

उन्होंने कहा कि उस पूरी दुनिया में खो जाना उन्हें एक अलग तरह का सुकून देता था। फिल्म के वातावरण और किरदार के साथ जुड़ने के दौरान उन्हें एक अलग समय और समाज को करीब से महसूस करने का अवसर मिला।

इम्तियाज अली के काम की प्रशंसक रहीं शरवरी ने कहा कि वह लंबे समय से उनके काम को पसंद करती रही हैं। उनके साथ काम करने का अवसर मिलना अभिनेत्री के लिए बहुत बड़ी बात रही।

वन के बाद इन 5 फिल्मों में दिखेगा तमन्ना भाटिया का अलग अंदाज

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया जल्द ही फिल्म वन में नजर आएंगी। यह फिल्म 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसमें वह बिल्कुल अलग अंदाज में दिखाई देंगी। फिल्म में उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा, मनीष पॉल, श्वेता तिवारी और सुनील ग्रोवर भी अहम भूमिकाओं में हैं। वन की रिलीज से पहले आइए जानते हैं, तमन्ना की आने वाली दूसरी फिल्मों के बारे में, जिनका दर्शकों को इंतजार है।

एक्शन-एडवेंचर फिल्म रेंजर 4 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में तमन्ना बिल्कुल अलग भूमिका में दिखाई देंगी। वहीं फिल्म में तमन्ना के साथ अजय देवगन और संजय दत्त नजर आए थे।

तमन्ना, अर्चित कुमार और निशांत नाइक के साथ मिलकर डेयरिंग पार्टनर्स शो में काम करने वाले हैं। इस शो में डायना पेंटी भी हैं, और नकुल मेहता व जावेद जाफरी अहम भूमिकाओं में हैं।

स्त्री 2 में तमन्ना एक गाने में नजर आई थीं। उन्हें लोगों ने खूब पसंद किया था। वहीं अब कई रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि वो इसके तीसरे भाग में भी दिखाई देंगी। हालांकि, इसका आधिकारिक ऐलान अभी तक नहीं हुआ है।

फिल्म बोले चूड़ियां साल 2026 के आखिरी तक रिलीज होगी। इस फिल्म में तमन्ना के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

योगा मैट की सफाई करते समय न करें ये 5 गलतियां, हो सकता है खराब

योगा मैट की सफाई करते समय कई बार लोग कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे मैट जल्दी खराब हो सकता है। योगा मैट पर पसीना, धूल-मिट्टी और कीटाणु जमा हो सकते हैं, जिससे सफाई जरूरी हो जाती है, लेकिन सफाई करते समय सही तरीके अपनाना भी बहुत अहम है। अगर आपने गलत तरीके अपनाए तो मैट की उम्र कम हो सकती है। आइए जानते हैं कि योगा मैट की सफाई में कौन-कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए।

बहुत गर्म पानी का इस्तेमाल करना

योगा मैट की सफाई के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करना एक आम गलती है। गर्म पानी से मैट की ऊपरी परत कमजोर हो सकती है और उसकी बनावट खराब हो सकती है।साथ ही इससे मैट के रबर या फोम का लचीलापन खत्म हो सकता है। इसके बजाय हल्के गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। यह न केवल मैट को साफ रखेगा, बल्कि उसकी गुणवत्ता भी बनी रहेगी।

ज्यादा झाग वाले साबुन का इस्तेमाल

सफाई करते समय कई लोग ज्यादा झाग वाले साबुन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह योगा मैट के लिए सही नहीं है।

ऐसे साबुन से मैट की सतह पर झाग की परत जम सकती है, जो इसे चिपचिपा और फिसलन भरा बना सकती है। इसके अलावा इससे मैट पर दाग-धब्बे भी पड़ सकते हैं। हल्के डिटर्जेंट या सिरके के पानी का इस्तेमाल करें। इससे मैट की सफाई अच्छे से हो जाएगी और उसकी बनावट भी सुरक्षित रहेगी।

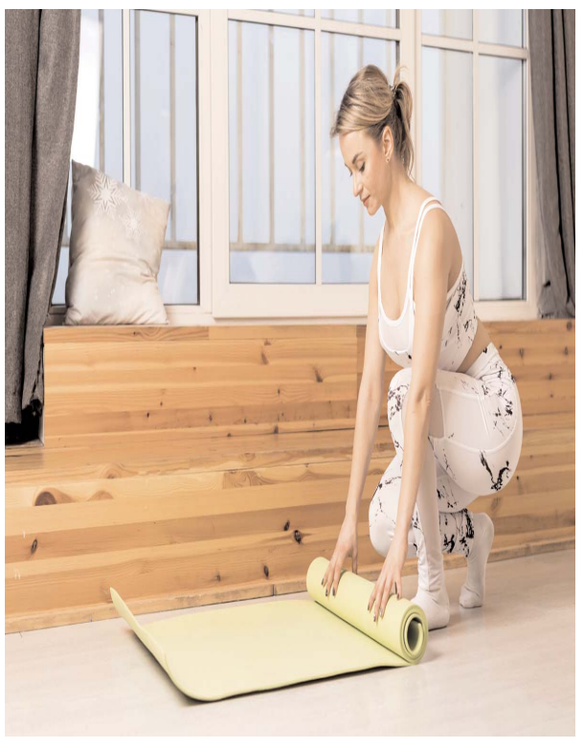

कपड़े धोने वाले डिटर्जेंट का इस्तेमाल

कपड़ों की सफाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिटर्जेंट योगा मैट के लिए सही नहीं होते।इनमें मौजूद तेज केमिकल्स मैट की सतह को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे मैट की पकड़ कमजोर हो सकती है और यह जल्दी खराब हो सकता है।इसके बजाय हल्के और प्राकृतिक सफाई उत्पादों का इस्तेमाल करें। इससे न केवल मैट साफ होगा, बल्कि उसकी मजबूती भी बनी रहेगी।

तेज धूप में सुखाना

योगा मैट को तेज धूप में सुखाना एक और आम गलती है। तेज धूप से मैट का रंग हल्का पड़ सकता है और उसकी सतह सख्त हो सकती है।

धूप में सुखाने से मैट की उम्र भी कम हो सकती है। इसे सुखाने के लिए छायादार और हवादार जगह का इस्तेमाल करें। इससे मैट का रंग और बनावट सही बनी रहेगी और यह जल्दी सूख भी जाएगा।

पूरी तरह न सुखाना

योगा मैट को धोने के बाद पूरी तरह सुखाना बहुत जरूरी है। अगर मैट में नमी रह गई, तो उसमें बैक्टीरिया और फफूंदी पनप सकती है।

इसे सुखाने के लिए किसी साफ कपड़े पर फैला दें

और हवा में सूखने दें। ध्यान रखें कि मैट को इस्तेमाल करने से पहले यह पूरी तरह सूखा हो।

इससे न केवल मैट साफ और सुरक्षित रहेगा, बल्कि यह लंबे समय तक टिकाऊ भी रहेगा।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार ग्राम फुण्डहर में अवैध कब्जे पर जिला प्रशासन की कार्यवाही

रायपुर (आरएनएस)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार ग्राम फुण्डहर के खसरा क्रमांक 54/127 के रकबा 0.0352 हेक्टेयर भूमि पर संजय अग्रवाल पिता राधेश्याम अग्रवाल, शंकर नगर निवासी द्वारा किए गए अवैध कब्जे पर आज प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की।उक्त कार्यवाही नायब तहसीलदार ज्योति सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग, नगर पालिक निगम एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जा हटाया गया।कार्यवाही के पश्चात उक्त भूमि को विधिवत रूप से भूमि स्वामी यशोदा एसोसिएट एवं पार्टनर योगेश आहूजा को सौंपी गई।

गंगरेल बांध से नहर एवं नदी की ओर 30 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया

धमतरी, (आरएनएस)। गंगरेल बांध के जलग्रहण क्षेत्र में लगातार हो रही आवक को देखते हुए जल प्रबंधन के तहत गंगरेल बांध से कुल 30 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसमें आरएसपी गंगरेल से एनआरबी की ओर 30 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। वहीं एनआरबी से एमएमसी की ओर 5 हजार क्यूसेक तथा महानदी में 25 हजार क्यूसेक पानी प्रवाहित किया जा रहा है।

रात्रि 10 बजे की स्थिति में गंगरेल बांध का जलस्तर 348.43 मीटर दर्ज किया गया। बांध में 35,058 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है, जबकि कुल 16,725 क्यूसेक पानी की निकासी दर्ज की गई है। बांध की कुल जलभराव क्षमता के मुकाबले 96.66 प्रतिशत जलभराव है।जल की लगातार आवक को देखते हुए बांध एवं निचले क्षेत्रों में जल प्रवाह की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। संबंधित विभागों को आवश्यक सतर्कता बरतने तथा नदी एवं निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को जल प्रवाह को देखते हुए सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा जलाशय के जलस्तर, आवक एवं निकासी की स्थिति की निरंतर समीक्षा की जा रही है, ताकि जल प्रबंधन के साथ-साथ निचले क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

18 किलो गांजे के साथ पकड़े गए अंतरराज्यीय तस्कर को 10 साल की सजा

रायपुर, (आरएनएस)। 18 किलो गांजे की तस्करी के मामले में विशेष न्यायालय ने अंतरराज्यीय तस्कर को 10 वर्ष के सश्रम कारावास और एक लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट, रायपुर श्रीमती किरण थवाईत ने 11 सितंबर 2026 को सुनाया।

मामला 18 जून 2024 का है। टिकरापारा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक अवैध रूप से गांजा लेकर परिवहन कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी राज नामदेव पिता ब्रिजेश नामदेव (21) को गिरफ्तार किया था। आरोपी मध्यप्रदेश के विदिशा जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित गुप्तेश्वर मंदिर, किले के अंदर का निवासी है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 18 किलोग्राम गांजा बरामद किया था, जिसकी अनुमानित कीमत 3 लाख 60 हजार रुपये बताई गई। मामले में टिकरापारा थाने में अपराध क्रमांक 480/2024 दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत कार्रवाई की गई। विवेचना पूरी करने के बाद पुलिस ने न्यायालय में चालान पेश किया। मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और प्रभावी पैरवी के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाया।

बाढ़ में रातभर फंसा रहा बीमार मरीज, पानी घटने पर तड़के पहुंचाया अस्पताल

- चर्रा के डुमर नाला में पुलिया निर्माण की ग्रामीणों ने उठाई मांग

धमतरी, (ए.)। ग्राम पंचायत लटियारा के आश्रित ग्राम चर्रा कच्छारपारा में बारिश के बाद आई बाढ़ के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बाढ़ के पानी के चलते एक बीमार मरीज को रातभर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। आज शनिवार सुबह पानी कम होने के बाद ग्रामीणों ने जोखिम उठाकर मरीज को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार कराया गया।जानकारी के अनुसार चर्रा निवासी गोपेश कुमार पटेल की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। उन्हें उल्टी-दस्त की शिकायत थी और हालत गंभीर बताई जा रही थी। परंतु क्षेत्र में बाढ़ के कारण रात में आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा, जिससे उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाना संभव नहीं हो सका। सुबह पानी कम होने पर ग्राम पंचायत लटियारा के सरपंच रुपेश कुमार ध्रुव सहित ग्रामीणों ने मरीज को अस्पताल पहुंचाया। मरीज को अस्पताल पहुंचाने में दीपक मंडावी, चंदर लाल पटेल, लछमन ध्रुव, राजेंद्र मरकाम, यशवंत मरकाम और बीरबल नेताम सहित अन्य ग्रामीणों ने सहयोग किया।ग्रामीणों का कहना है कि चर्रा के डुमर नाला में बारिश के दिनों में बाढ़ आने से आवागमन बाधित हो जाता है। इससे मरीजों के साथ-साथ स्कूली बच्चों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले ग्रामीणों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सबसे गंभीर स्थिति तब बनती है, जब किसी मरीज को आपातकालीन उपचार के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचाने की जरूरत होती है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से डुमर नाला में जल्द पुलिया निर्माण कराने की मांग की है।

खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए संसाधनों और अवसरों की नहीं होगी कमी : मुख्यमंत्री साय

प्रदेश में खेल अधोसंरचना का तेजी से हो रहा विस्तार, रायपुर में 60 करोड़ रुपये की लागत से बन रही आर्चरी अकादमी

रायपुर, (ए.)। छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। प्रदेश के गांवों, वनांचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। आवश्यकता है कि उनकी समय पर पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधन और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित न्यू सर्किट हाउस में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की एग्जीक्यूटिव बॉडी मीटिंग एवं जनरल काउंसिल मीटिंग को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। प्रदेश में खेल अधोसंरचना का विस्तार करने के साथ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीयस्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए संसाधनों और अवसरों की कमी नहीं होने दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता और पदक तक सीमित नहीं हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराना और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीयस्तर की प्रतिस्पर्धाओं के अनुरूप तैयार करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए खेल अधोसंरचना के विकास के साथ प्रशिक्षण और प्रतिभा चयन की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है।मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश के विभिन्न खेल संघों को उद्योग समूहों से जोड़ने की पहल में तेजी लाने की बात कही। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में अनेक बड़े उद्योग समूह कार्यरत हैं।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को समय पर पूरा करें : कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह

रायपुर, (आरएनएस)।कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित होने वाले दीपोत्सव की तैयारियां समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से तैयारियां सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने आज रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की फॉलोअप बैठक लेकर जिले में संचालित योजनाओं एवं विभिन्न शासकीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने पीएमएवाई के प्रकरणों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को बुलाकर योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी दी जाए और प्रकरणों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने अभनपुर एसडीएम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए अन्य एसडीएम को भी इसी तरह प्रभावी ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सभी एसडीएम को आरआरसी वसूली की कार्रवाई में तेजी लाने तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। पीएम किसान सम्मान निधि से संबंधित कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए।

सीतामढ़ी में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, नौ वाहन जब्त

कोरबा,,(आरएनएस)। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में हसदेव नदी के सीतामढ़ी क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की लगातार प्राप्त हो रही शिकायतों पर खनिज विभाग के उड़नदस्ता दल द्वारा कार्रवाई की गई।

खनिज उड़नदस्ता दल ने शनिवार सुबह लगभग 5.30 बजे सीतामढ़ी क्षेत्र में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान हसदेव नदी में रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाए गए 9 वाहनों को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान कुछ वाहन नदी में फंसे हुए थे, जबकि कुछ वाहनों को संबंधित लोग मौके पर छोड़कर फरार हो गए। नगर पालिक निगम कोरबा की मदद से नदी में फंसे वाहनों को बाहर निकाला गया।जब्त वाहनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना कोरबा एवं खनिज जांच चौकी उरगा की अभिरक्षा में रखा गया है। प्रकरणों में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।खनिज विभाग ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, प्राकृतिक खनिज संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा शासन के राजस्व की हानि को रोकना विभाग की प्राथमिकता है। नियमों का उल्लंघन कर अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम सहित अन्य प्रचलित वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

रायपुर में एक दिन में 10 मामले: 94.50 लाख की शेयर बाजार ठगी से लेकर चाकूबाजी तक

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी में 11 सितंबर को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में धोखाधड़ी, चोरी, अवैध शराब और चाकू लेकर लोगों को डराने के कई मामले दर्ज किए गए। सबसे बड़ी घटना खम्हारडीह थाना क्षेत्र में सामने आई, जहां शेयर बाजार में निवेश पर अधिक मुनाफे का झांसा देकर एक व्यक्ति से 94 लाख 50 हजार 170 रुपये ठग लिए गए। इसके अलावा शहर के विभिन्न इलाकों से दोपहिया वाहन, मोबाइल, नकदी और केबल चोरी के मामले भी सामने आए।

खम्हारडीह में शेयर बाजार के नाम पर 94.50 लाख की ठगी: हाईपाकट, शंकर नगर निवासी विशाल बजाजरिया को आरोपी ने शेयर बाजार के व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा। इसके बाद फोन कर निवेश पर ज्यादा मुनाफे का लालच दिया और अलग-अलग तरीके से कुल 94,50,170 रुपये अपने बताए ट्रेडिंग खाते में जमा करा लिए। रकम वापस नहीं मिलने पर पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बीएनएस की धारा 318 के तहत मामला दर्ज किया है। चार जगह दोपहिया वाहन चोरी: पुरानी बस्ती के भाठागांव में शराब दुकान के पास से सुजुकी एक्सेस मोपेड (सीजी 04 टीयूबी/5293), तेलीबांधा के लभांडी से बजाज पल्सर (सीजी 04 एलपी/2261) और खमतराई के गोंदवारा से हीरो स्प्लेंडर (सीजी 04 एमडब्ल्यू/3253) चोरी हो गई।

खेल समाचार

टीम इंडिया के स्टार सिराज को मिली बड़ी जिम्मेदारी, इस टीम की संभालेंगे कमान; गिरती रफ्तार पर भी तोड़ी चुप्पी

हैदराबाद (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को घरेलू क्रिकेट के आगामी सत्र के लिए एक बेहद अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) ने आधिकारिक घोषणा करते हुए सिराज को रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए हैदराबाद की सीनियर टीम का कप्तान नियुक्त किया है। वहीं, तेज गेंदबाज चामा मिलिंद को उप-कप्तान की भूमिका सौंपी गई है। सिराज की अगुआई में हैदराबाद की टीम आगामी 11 अक्टूबर से शुरू हो रहे टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में त्रिपुरा से भिड़ेगी।

एलीट ग्रुप बी में हैदराबाद, कड़ी होगी चुनौती

आगामी रणजी सत्र के लिए हैदराबाद की टीम को एलीट ग्रुप बी में रखा गया है। इस ग्रुप में सौराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और त्रिपुरा जैसी मजबूत टीमें मौजूद हैं। ऐसे कड़े मुकाबले वाले ग्रुप में मोहम्मद सिराज के सामने न सिर्फ एक कप्तान के तौर पर टीम को आगे ले जाने की जिम्मेदारी होगी, बल्कि एक प्रमुख स्ट्राइक बॉलर के रूप में अपनी पुरानी धार और लय को साबित करने की भी परीक्षा होगी।

श्रीलंका दौरे पर गिरी थी गेंदबाजी की रफ्तार, सिराज ने बताई वजह

हालिया श्रीलंका दौरे पर टेस्ट सीरीज के दौरान मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी गति (स्पीड) में आई गिरावट चर्चा का विषय बनी थी। आम तौर पर 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले सिराज उस दौरे पर कई मौकों पर 130 किमी प्रति घंटे से भी नीचे की स्पीड पर बॉलिंग

करते नजर आए थे। दो टेस्ट मैचों के दौरान उन्होंने कुल 44 ओवर फेंके और केवल 4 विकेट चटका पाए थे।

इस गिरावट पर खुलकर बात करते हुए सिराज ने स्वीकार किया कि करीब दो महीने के लंबे ब्रेक के बाद सीधे प्रतिस्पर्धी मुकाबले में उतरने के कारण उनकी लय पर असर पड़ा था। सिराज ने बताया कि वह एक ऐसे गेंदबाज हैं जिनकी गति सीधे तौर पर रन-अप और रिदम पर निर्भर करती है। रन-अप में थोड़ा भी तालमेल बिगड़ने से रफ्तार प्रभावित हो जाती है।

दलीप ट्रॉफी में मिली वापसी की राह, जज्बे को रखा सबसे आगे

श्रीलंका दौरे के तुरंत बाद सिराज ने दलीप ट्रॉफी फाइनल में साउथ जोन की ओर से खेलते हुए अपनी लय हासिल करने के स्पष्ट संकेत दिए। चेन्नई की उमस और गर्मी के बीच लंबी गेंदबाजी करने के दौरान उनकी रिदम वापस लौटी और स्वाभाविक रूप से गेंद की गति में भी इजाफा हुआ।

सिराज ने स्पष्ट किया कि फिटनेस और फॉर्म की चुनौतियों के बावजूद उनके लिए देश का प्रतिनिधित्व करना सबसे बड़ा जुनून है। उन्होंने दो टूक कहा कि जब आप मैदान पर उतरते हैं तो परिस्थितियों या थकान का कोई बहाना नहीं चल सकता, बल्कि खिलाड़ी को हर हाल में अपना शत-प्रतिशत योगदान देना होता है। अब रणजी ट्रॉफी में कप्तानी का यह नया रोल उनकी फॉर्म और नेतृत्व क्षमता दोनों के लिए अहम साबित होगा।

डब्ल्यूसीपीएल : हरलीन देओल बारबाडोस ट्राइडेंट्स से जुड़ीं

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी हरलीन देओल विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) के बाकी मैचों के लिए गत विजेता बारबाडोस ट्राइडेंट्स से जुड़ गई हैं। हरलीन, बारबाडोस से जुड़ी पांचवीं विदेशी क्रिकेटर हैं। हरलीन देओल फिलहाल भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में वह सीजन के अंत तक बारबाडोस ट्राइडेंट्स के लिए उपलब्ध रहेंगी। वह ट्राइडेंट्स टीम में और गहराई और इंटरनेशनल अनुभव लाएंगी। इस टीम में पहले से ही किरण नवगिरे और पूजा वस्त्रकार हैं। बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने एक्स पर हरलीन देओल की तस्वीर साझा करते हुए उनका टीम में स्वागत किया है। टीम ने कैप्शन में लिखा, आपका हमारी टीम में स्वागत है।

हरलीन टी20 फॉर्मेट की बेहद उपयोगी खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम के लिए 20 मैचों की 20 पारियों में 1 अर्धशतक सहित 311 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 92.01 रहा है। इसके अलावा, 6 विकेट भी उनके नाम है। भारत के लिए आखिरी मैच उन्होंने इस साल मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

हरलीन विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स का हिस्सा रही हैं। उन्होंने 28 डब्ल्यूपीएल मैचों में 115.68 के स्ट्राइक रेट से 649 रन बनाए हैं।

डब्ल्यूसीपीएल 2026 में अन्य भारतीय खिलाड़ी शिखा पांडे और यस्तिका भाटिया हैं, दोनों त्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ हैं।

ट्राइडेंट्स ने इस साल के टूर्नामेंट में अब तक केवल एक मैच खेला है, जिसमें 5 सितंबर को शुरुआती मैच में नाइट राइडर्स से 21 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में तीन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था। शिखा पांडे (17 रन देकर 3 विकेट), यास्तिका भाटिया (28 गेंदों में 35 रन) और नवगिरे (21 गेंदों में 28 रन) ने अहम योगदान दिया था।

बारबाडोस ट्राइडेंट्स का अगला मुकाबला शनिवार को जमैका एम्प्रेस और रविवार को गुयाना अमेजन वॉरियर्स से होगा। देखना होगा हरलीन इन मैचों में बारबाडोस प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बन पाती हैं, या नहीं। 28 साल की हरलीन 2019 से भारतीय टीम के साथ रही हैं।

यूएस ओपन : बेन शेल्टन ने टियाफो को हराकर फाइनल में जगह बनाई, ज्वेरेव से होगा खिताबी मुकाबला

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। अमेरिकी बेन शेल्टन ने हमवतन फ्रांसिस टियाफो को एक रोमांचक सेमीफाइनल में हराकर यूएस ओपन 2026 के एकल फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में शेल्टन का मुकाबला जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। 23 साल के शेल्टन ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाई है। शेल्टन ने टियाफो को चार सेट तक चले मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-3, 7-5 से हराया। शेल्टन 1972 में ऐश के बाद यूएस ओपन एकल फाइनल में पहुंचने वाले पहले ब्लैक अमेरिकन आदमी हैं और 1996 में विंबलडन में मालीवाई वॉशिंगटन के बाद किसी भी ग्रैंड स्लैम एकल फाइनल में पहुंचने वाले पहले ब्लैक अमेरिकन आदमी हैं।बेन ने टियाफो को हराने के बाद मैच पॉइंट ट्रेडमार्क डायल्ड-इन सेलिब्रेशन नहीं किया, क्योंकि नंबर 11 सीड ने नेट में डबल-फॉल्ट किया, जिससे तीन घंटे, 17 मिनट का मुकाबला खत्म हो गया। मैच के बाद शेल्टन ने कहा, टियाफो मेरे लिए बड़े भाई जैसे हैं। हर बार जब हम इस कोर्ट पर एक साथ खेलते हैं, आर्थर ऐश, और एक-दूसरे के साथ खेलते हैं, तो यह बहुत खास होता है। हम इस टूर्नामेंट के आखिर में यहीं रहना चाहते हैं। यह दुनिया में हम दोनों का पसंदीदा टूर्नामेंट है, दुनिया का पसंदीदा कोर्ट है। और आप लोगों के सामने इसे रोशन कर पाना सबसे अच्छी भावना है।नंबर 8 सीड और सबसे ऊंची रैंक वाले अमेरिकी खिलाड़ी शेल्टन का मुकाबला 13 सितंबर को होने वाले फाइनल में टॉप सीड अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। ज्वेरेव ने पहले सेमीफाइनल में कैरेन खाचानोव को 6-3, 7-6 (7), 7-6 (6) से हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

9 छक्के और 2 बैट टूटे, डेब्यू टेस्ट में इस पाकिस्तानी खिलाड़ी ने मचाया गदर, 9वें नंबर पर खेली तूफानी पारी

एजबेस्टन(ए.)। एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड में शुक्रवार की शाम पाकिस्तान के 21 वर्षीय तेज गेंदबाज रजाउल्लाह ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से ऐसा कमाल किया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। डेब्यू टेस्ट खेल रहे रजाउल्लाह ने नौवें नंबर पर उतरकर महज 63 गेंदों में 81 रन की धमाकेदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने नौ छक्के लगाए और कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में हार के बाद पाकिस्तान टीम में बड़े बदलाव किए गए थे। सात खिलाड़ियों को बाहर कर उनकी जगह सात नए खिलाड़ियों को इंग्लैंड भेजा गया, जिनमें रजाउल्लाह भी शामिल थे। इस युवा गेंदबाज को टीम में शामिल करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को काफी मशक्कत करनी पड़ी। उनके कोच को खैबर पख्तूनख्वा के पहाड़ी इलाके में बसे गांव तक पहुंचकर रजाउल्लाह को चयन की जानकारी देनी पड़ी थी।इसके बाद जल्दबाजी में उनका पासपोर्ट बनवाया गया और वह इंग्लैंड पहुंचे। एजबेस्टन में डेब्यू करते हुए रजाउल्लाह ने पहले ही दिन इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट को आउट कर अपना पहला टेस्ट विकेट हासिल किया। 140-145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए उन्होंने चार विकेट भी झटके और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। लेकिन रजाउल्लाह का असली तूफान बल्ले से देखने को मिला।

यूएस ओपनः अलेक्जेंडर ज्वेरेव फाइनल में पहुंचे, करेन खाचानोव को दी मात

न्यूयॉर्क (ए.)। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 एकल के फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में करेन खाचानोव को 6-3, 7-6(7), 7-6(6) से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।मैच की शुरुआत में ज्वेरेव नियंत्रण में दिख रहे थे। उनकी सर्व ने उन्हें एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म दिया, जबकि उनके बेसलाइन गेम ने खाचानोव को बार-बार असहज स्थिति में डाला। रूसी खिलाड़ी के 3-3 से बराबर होने के बाद, ज्वेरेव ने अहम मौके पर अपनी तेजी बढ़ाई ताकि उन्हें जरूरी एकमात्र ब्रेक मिल सके और पहला सेट जीत सकें।खाचानोव ने दूसरे सेट में जोरदार जवाब दिया। ज्वेरेव शुरू में 2-0 से आगे हो गए, लेकिन रूसी खिलाड़ी को दोनों विंग से ज्यादा आक्रामकता मिली और उन्होंने सेट पलट दिया। वह 5-4 से आगे हो गए और ज्वेरेव पर दबाव डाला, इससे पहले कि जर्मन खिलाड़ी ने मजबूती से टिककर टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।टाई-ब्रेक हिम्मत का टेस्ट बन गया। ज्वेरेव ने दो सेट पॉइंट गंवाए लेकिन अपने तीसरे मौके का फायदा उठाकर फाइनल से एक सेट के अंदर पहुंच गए।

हम किसी टीम को हरा सकते हैं, श्रीलंकाई कप्तान अथापट्टू का एशिया कप फाइनल से पहले बड़ा बयान

दुबई (आरएनएस)। महिला एशिया कप 2026 का फाइनल 13 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होना है। खिताबी मुकाबले में एक बार फिर भारतीय टीम और श्रीलंका आमने-सामने है। फाइनल से पहले श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापट्टू ने कहा है कि उनकी टीम किसी भी टीम को हराने में सक्षम है। सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ दबाव की स्थिति से निकलते हुए जीत दर्ज करने के बाद चमारी अथापट्टू ने कहा कि उनकी टीम में इतनी गहराई और धैर्य है कि वे विमेंस एशिया कप फाइनल में किसी भी विरोधी टीम को हरा सकती है। कप्तान विशेष तौर पर अपनी टीम के युवा खिलाड़ियों से प्रभावित नजर आईं। श्रीलंकाई कप्तान ने कहा, टीम की ताकत उन खिलाड़ियों की संख्या में है जो हालात के मुताबिक जिम्मेदारी लेने में सक्षम हैं।उन्होंने कहा, हमारे पास हर्षिता, नीलाक्षिका, कविशा जैसे अच्छे फिनिशर हैं। ज्यादातर खिलाड़ी बहुत अच्छा खेल रहे हैं, गेंदबाजी यूनिट भी अच्छा कर रही है। अगर हम फाइनल में अपनी योजना को लागू कर पाते हैं, तो मुझे लगता है कि हम किसी भी टीम को हरा सकते हैं।

महिलाएं आज करेंगी हरितालिका तीज की पूजा

पूरे दिन रहेंगी निर्जला व्रत, चार पहर होगी आरती

रश्मि गौड़ शर्मा

नर्मदापुरम। हरतालिका तीज के अवसर पर महिलाओं के द्वारा निर्जला व्रत रखा आज रखा जाएगा। चार पहर तीजा की पूजन की जाएगी। कुंआरी युवतियों और सौभाग्यवती महिलाएं भगवान भोलेनाथ और देवी पार्वती और गणेश जी की पूजा करेंगी। हरतालिका तीज के मौके पर माता पार्वती और भगवान शंकर की विधि.-विधान से पूजा की जाती है। शाम से पूजन का क्रम शुरू होगा तो रात तक जारी रहेगा।श्रीमती राजबाला गौड़ ने बताया कि हरतालिका पूजन के लिए भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की बालू रेत या काली मिट्टी की प्रतिमा हाथों से बना कर पूजन की जाती है। व्रत धारी महिलाओं के द्वारा विभिन्न प्रकार के पुष्पों को एकित्रत कर पूजास्थल को फूलों से सजाकर फुलेरा बनाया जाता है। फुलेरा बना कर उसके नीचे एक चौकी और पत्ते रखकर भगवान भोलेनाथ, माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर तीन देवों की एक साथ पूजन कीं जाती है इसलिए इस पूजा और व्रत का नाम तीजा की पूजा है। सुहाग की पिटारी में सुहाग की सारी वस्तु रखकर माता पार्वती को चढ़ाई जाती है जिससे मनोकामना पूरी होती है। इस प्रकार पूजन के बाद कथा सुनने के बाद रात्रि जागरण किया जाता है। भजन कीर्तन किए जाते हैं। रात्रि के चारों प्रहर की आरती की जाती है। सुबह माता पार्वती को सिन्दूर चढ़ाने व ककड़ी के साथ हलवे का भोग लगाकर व्रत खोला जाता है।

पूर्व वर्षानुसार इस वर्ष भी हरतालिका की पूजन अर्चना करते हुए आदीदेव महादेव, देवी पार्वती और उनके पुत्र श्रीगणेश की आराधना भक्ति भाव के साथ होगी। फुलेला बांधकर अखंड सौभागय और पति की लम्बी उम्र के लिए नारी शक्ति व्रत रखती हैं। कई महिलाों के द्वारा पूर्व वर्षों से निरंतर हर हरतालिका तीज के अवसर पर अनेक नारी शक्तियों के साथ फुलेरा बांधती आ रही हैं। जिसमें बड़ी श्रद्धा भक्ति और उमंग के साथ श्रद्धालु महिलाएं भी शामिल होती हैं।

बास्केट बॉल में संभाग स्तर पर खेलकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन

इटारसी के खिलाड़ी पार्थ पांडेय शहडोल में करेंगे राज्य स्तरीय प्रतियोगता में प्रदर्शन

इटारसी। नर्मदापुरम (निप्र)। बास्केट बॉल में संभाग स्तर पर खेलकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में इटारसी के खिलाड़ी पार्थ पांडेय का चयन होने पर

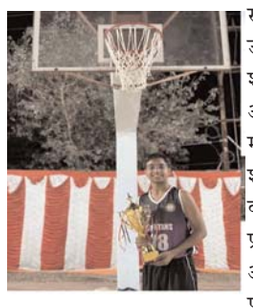

खेल प्रेमियों ने उनको बधाई शुभकामनाएं दी है। आगामी दिनों में मध्यप्रदेश के शहडोल में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पार्थ अपने खेल का प्रदर्शन करेंगे। सेंट जोसेफ़ कांवेंट स्कूल इटारसी के छात्र पार्थ विष्णु पांडेय का संभाग स्तरीय बास्केट बॉल से राज्य स्तरीय बास्केट बॉल टीम में पांचवे स्थान पर चयन होने पर खेल प्रेमियों में उत्साह है। आपको बता दे कि खिलाड़ी पार्थ पांडेय जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय के भतीजे एवं इटारसी क्रिकेट एसोशियशन के अध्यक्ष विष्णु पांडेय के पुत्र हैं। आगामी दिनों में मध्यप्रदेश के शहडोल में होने वाली बास्केट बॉल की राज्य स्तरीय टीम में पार्थ अपने खेल का प्रदर्शन देंगे। उनके चयन होने पर उनके परिजनों के साथ ही उनके शुभचिंतको ने पार्थ के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये पार्थ से बेहतर खेल के प्रदर्शन करने की उम्मीद की है।

पूर्व में किसानों का और सड़क को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन किस अधिकारी पर पडेगा भारी?

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। मूंग की खरीदी के दौरान जो किसानों ने नर्मदा तट से आंदोलन का शुभारंभ किया था। मप्र की राजधानी पहुंच कर किसानों ने जिस प्रकार उग्र आंदोलन को वृहद रूप दिया था। किसानों ने जमकर नाराजगी जताकर अपनी मांग को सरकार से मनवा लिया था। वह इस क्षेत्र से उत्पन्न होकर प्रदेश का सबसे बड़ा आंदोलन बन गया था जो बहुत सफल हुआ था। जिसने सरकार को किसानों के समक्ष घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। प्रति एकड एक क्विंटल मूंग खरीदने की बजाय 3 क्विंटल मूंग खरीदी करने को सरकार को तैयार होना पड़ा था। पूरे प्रदेश में वह आंदोलन चर्चा का विषय बन गया था। उसके बाद सिर्फ तीन किलोमीटर की नानपा कूल्हडा सडक को लेकर हजारों ग्रामीणों ने जो 40 किलोमीटर पैदल चल कर कलेक्ट्रेट तक आए थे। जिसमें महिलाएं और बालिकाएं भी बड़ी संख्या में आई यह आंदोलन भी ग्रामीण स्तर का बड़ा आंदोलन बन गया। यह सब उस क्षेत्र के जबावदार जनप्रतिनिधि और अधिकारियों की नाकामयाबी का परिणाम ही किरकिरी हुई है।

आंदोलन से प्रदेश सरकार की हुई है बहुत किरकिरी, विपक्ष को मिला है बड़ा मुद्दा

कहा जाएगा। क्योंकि इस सड़क को लेकर जागरूक किसान नेता राकेश गौर और ग्रामीण जन लगातार शासन प्रशासन को अवगत कराते रहे। इसके बाद इतनी छोटी सड़क की समस्या हल करने में शासन प्रशासन की लापरवाही सामने आई। बाद में उस क्षेत्र की अवैध रेत खदान को वैध करने में प्रशासन ने जिस मुस्तैदी और तत्परता दिखाई वह पहले ही दिखा देते तो ग्रामीणों को इतना गुस्सा नहीं आता। इस आंदोलन से सिर्फ कुछ गांव ही नहीं बहुत बड़ा क्षेत्र प्रभावित हुआ है। शहर में आने पर शहरके लोग भी समझ गये कि सिर्फ मुख्यालय की सड़क ही खराब नहीं है ग्रामीण क्षेत्र की सड़क भी खराब है। इस तरह के बड़े आंदोलन की पूरी जानकारी प्रदेश के मुखिया तक पहुंच गई है। सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि मुखिया इस तरह के आंदोलन से बहुत नाराज हैं। ऐसा भी सुना जा रहा है कि इस नाराजगी का परिणाम किसी अधिकारी को जल्द भुगतना पड़ सकता है। क्योंकि दोनों की आंदोलन से प्रदेश की सरकार की बहुत

जिसने हमें संवारा है उसे आर्शीवाद हमारा है : महेन्द्र सिंह

नर्मदापुरम। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश प्रभारी महेन्द्र सिंह ने शनिवार को जिला पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों एवं सेवा संकल्प अभियान अभियान टोली सदस्यों की बैठक जिला भाजपा कार्यालय में संबोधित करते हुए कहा कि 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में प्रारंभ हुई सेवा.यात्रा ने आज 25 वर्षों का गौरवपूर्ण पड़ाव पूरा किया है। मोदी जी का यशस्वी जीवन गुजरात से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र नेतृत्व तकए हर दायित्व में राष्ट्रहित और जनकल्याण हेतु सर्वोपरि रहा। सेवा समर्पण और संकल्प की इस प्रेरणादायी यात्रा को जन.जन तक पहुंचाने के लिए सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर से हो रहा है। उन्होंने कहा यह सेवा संकल्प अभियान कार्यक्रम भारत माता की सेवा में विकसित भारत बनाने के लिये कार्य कर रही हैं और नरेन्द्र मोदी जी के आभार के लिये है। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति ने अभियान के अंतर्गत किये जाने वाले कार्य एवं प्रभारियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 17 सितम्बर को युवा मोर्चा के व्दारा रक्तदान किया जाएगा। वहीं आर्शीवाद का दीपक हर बूथ पर लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत प्रत्येक शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों में राष्ट्रव्यापी ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। वहीं सेवा स्मरण कार्यक्रम के अंतर्गत संगीतमय नाट्य प्रस्तुती की जाएंगी। उन्होंने बताया कि 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक 13 सेवा के कार्य किये जाएंगे। इस दौरान राज्यसभा सांसद माया नारोलिया विधायक डॉ सीतासरन शर्मा विजयपाल सिंह प्रेमशंकर वर्मा ठाकुरदास नागवंशी सहित सेवा संकल्प अभियान जिला टोली एवं जिला पदाधिकारी उपस्थित थे।

मालती राय आज करेंगी पत्रकारों से चर्चा

नर्मदापुरम (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलाये जा रहे राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम को लेकर नर्मदापुरम जिला कार्यालय पर भोपाल महापौर मालती राय 13 सितम्बर रविवार दोपहर 3 बजे पत्रकारों से चर्चा करेंगी। जिला मीडिया प्रभारी अमित महाला ने बताया कि पत्रकार वार्ता में सांसद दर्शन सिंह चौधरी राज्यसभा सांसद माया नारोलिया अध्यक्ष प्रीति शुक्ला विधायक डॉ सीतासरन शर्मा विजयपाल सिंह प्रेमशंकर वर्मा ठाकुरदास नागवंशी सहित जिला पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

आपका स्नेह, हमारा सम्मान्य, बचपन प्ले स्कूल में दिखा संस्कारों का अनूठा संगम

गुलाब की पंखुड़ियों से हुआ बुजुर्गों का स्वागत

इटारसी। नर्मदापुरम(निप्र)। आधुनिकता की अंधी दौड़ और एकल परिवारों के इस दौर में नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़े रखना समाज की सबसे बड़ी जरूरत है। इसी उत्कृष्ट और आदर्शवादी सोच को चरितार्थ करते हुए शहर के बचपन प्ले स्कूल में एक भावपूर्ण ग्रैंड पेरेंट्स डे का आयोजन किया। इस अनूठे आयोजन को श्आपका स्नेह हमारा सम्मान्य का नाम दिया जिसने उपस्थित हर शख्स को भावविभोर कर दिया।

गुलाब की बारिश और अपनों का स्पर्श

कार्यक्रम की शुरुआत बेहद मार्मिक और आत्मीय रही। स्कूल प्रांगण में जैसे ही आमंत्रित 8 दादाजी 1 नानाजी और 1 नानी ने कदम रखा तो उनके नन्हे पोते.पोतियों ने उन पर गुलाब के फूलों की बारिश कर दी। जब बच्चों ने अपने ही नन्हे हाथों से गुलाब का फूल देकर अपने दादा.दादी और नाना.नानी का स्वागत किया, तो बुजुर्गों की आंखें वात्सल्य, गर्व और खुशी से छलक उठीं। यह दृश्य नई और पुरानी पीढ़ी

के बीच प्रेम के एक अदृश्य पुल की तरह था।

नाटिका और कविताओं से दिया संस्कारों का संदेश

बच्चों के कोमल मन में बड़ों के प्रति आदर भाव रोपने के लिए स्कूल की शिक्षिकाओं ने एक शानदार पहल की। टीचर्स ने एक प्रेरणादायक नाटिका मंचित की जिसके माध्यम से बच्चों को बहुत ही सरल शब्दों में सिखाया गया कि घर के बुजुर्गों का सम्मान क्यों और कैसे करना चाहिए। इसके साथ हीए टीचर्स ने बुजुर्गों के सम्मान में एक भावपूर्ण कविता का भी पाठ कियाए जिसने पूरे माहौल को और भी गरिमामय व संस्कारवान बना दिया।

पौधा और थैंक यू कार्ड देकर किया सम्मानित

बुजुर्ग हमारे समाज रूपी पेड़ की वह मजबूत जड़ हैं, जो उसे हमेशा हरा-भरा रखते हैं। इसी सोच के साथ स्कूल प्रबंधन ने सभी ग्रैंड पेरेंट्स को एक ट्रॉफी और एक पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ हीए जब बच्चों ने अपने हाथों से बनाए थैंक यू कार्ड अपने दादा-दादी और नाना.नानी को सौंपे तो वह पल उन बुजुर्गों के लिए जीवन के सबसे अनमोल पलों में से एक बन गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल हेड मंजू ठाकुर के स्वागत भाषण से हुआ जिसमें उन्होंने बच्चों के जीवन व उनके चरित्र निर्माण में दादा.दादी और नाना-नानी के अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। संपूर्ण कार्यक्रम का सुव्यवस्थित और रोचक संचालन सीमा जनोरिया ने किया। उपस्थित सभी बुजुर्गों और अतिथियों का आभार हिमांशी भदौरिया ने व्यक्त किया। आयोजन पर बचपन प्ले स्कूल के डायरेक्टर दीपक दुगाया स्कूल हेड मंजू ठाकुर और समस्त स्टाफ ने हर्ष व्यक्त किया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com